RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 158 , मंगलवार, 21 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एमजीसीयू के युवा संवाद में 'पंच परिवर्तन' पर मंथन, व्यवहार परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण का... 03

हाई कोर्ट से राहत के बाद हरसिद्धि में प्रमुख के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ, 23 जुलाई ... 04

निमरत कौर जीवन के व्यस्त पलों का उठा रही आनंद, वीडियो शेयर 07

संक्षिप्त समाचार

बच्चों की मोबाइल लत पर जल्द लगेगी लगाम

केंद्र सरकार ला सकती है स्मार्टफोन्स में 'माइनर मोड'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों में बढ़ती मोबाइल लत और ऑनलाइन खतरों को रोकने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सरकार भारत में बिकने वाले स्मार्टफोन में डिवाइस स्तर पर ही पाबंदियां लगाने पर विचार कर रही है। इसके तहत सभी नए फोन में एक अलग माइनर मोड देना

अनिवार्य किया जा सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक माता-पिता इस मोड के जरिए कई तरह के नियंत्रण कर सकेंगे। इसमें एप डाउनलोड पर रोक लगाना, रोजाना स्क्रीन टाइम तय करना और देर रात फोन या सोशल मीडिया के इस्तेमाल को बंद करा शामिल होगा। इसके ही साथ ही हानिकारक सामग्री को फिल्टर करने और बच्चे की उम्र के अनुसार एप तक पहुंच देने का विकल्प भी दिया जा सकता है। सरकार का मकसद है कि मोबाइल कंपनियां फोन बनाते समय इसका ध्यान रखें।

पुलिस हेडक्वार्टर में मृत मिले त्रिपुरा के डीजीपी

एक साल पहले संभाला था पद, मच गया हड़कंप

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक अनुराग धनखड़ का शव अगरतला पुलिस हेडक्वार्टर में मिलने से हड़कंप मच गया। उनके शव को अगरतला के जीबी अस्पताल ले जाया गया। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत के मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा

रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूत्रों के मुताबिक, अनुराग धनकर अपने कार्यालय कक्ष में फंदे से लटके हुए मिले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने आगे की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और कार्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया।

बांग्लादेश में अडानी की बिजली पर फिर टकराव

बड़ा दावा, मोहम्मद यूनुस की राह पर तारिक रहमान

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी पावर प्लांट से मिलने वाली बिजली की कीमत लगभग 14.86 टका (लगभग 10.15) प्रति यूनिट है। वहीं भारत के अन्य तीन आपूर्तिकर्ताओं इंडिया और सेम्बकॉर्प की औसत कीमत महज 9.33 टका प्रति यूनिट है। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अडानी की बिजली अन्य दूसरे आपूर्तिकर्ताओं के मुकाबले 59 फीसदी तक ज्यादा महंगी पड़ती

है। इन आरोपों के बाद सवाल ये उठ रहे हैं कि वाकई ऐसा है जो दावा किया गया है या फिर तारिक रहमान की सरकार राजनीतिक फायदे के लिए भारतीय बिजली कंपनी पर निरर्थक आरोप लगा रही है। हमारा अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है। बांग्लादेशी अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट के विश्लेषण में कहा गया है कि अडानी से खरीदे जाने वाली बिजली की लागत भारत की अन्य तीन बिजली सप्लाई करने वाली कंपनियों के संयुक्त औसत दर की तुलना में लगभग 59 फीसदी ज्यादा थी। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश चार भारतीय सप्लायर्स से अलग-अलग समझौतों के तहत बिजली खरीदता है।

फिर लौट रहा मानसून अबकी जमकर बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्षा की उम्मीद लगाए लोगों के लिए राहत की खबर है। इस हफ्ते मानसून जोरदार वापसी करने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी में बनने वाला कम दबाव का नया सिस्टम मानसून ट्रफ को वापस अपनी जगह पर ले आएगा, जिससे आगामी कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा होगी। दिल्ली में भी सोमवार से बुधवार के बीच आंधी-तूफान और भारी वर्षा की संभावना है, जिससे दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएगा। इसरो के इनसेट-3डीआर की तस्वीरों से भी पता चलता है कि 19 जुलाई को देश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बादलों से ढका हुआ था।

इस हफ्ते होगी झमाझम, देश का दो-तिहाई हिस्सा बादलों से ढका

भारत का लगभग 60-70 प्रतिशत हिस्सा बादलों से ढका- सेटेलाइट तस्वीरों में देश के ऊपर मानसून के बादलों की एक विशाल चादर दिखाई दे रही है, जो जम्मू-कश्मीर से लेकर गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर तक फैली हुई है। 19 जुलाई को ली गई इन तस्वीरों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा बादलों से ढका हुआ है। सबसे घने बादल पंजाब से उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए बंगाल और पूर्वोत्तर के ऊपर तक हैं। दक्षिणी प्रायद्वीप के ऊपर भी बादलों की लंबी पट्टियां दिखाई दे रही हैं। पश्चिमी राजस्थान और तमिलनाडु के कुछ हिस्से तुलनात्मक रूप से साफ हैं। एएनआई के अनुसार, मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर-पश्चिम भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में खतरा- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बहुत अधिक वर्षा होने से अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में बड़े पैमाने पर वर्षा की संभावना है। पूर्वी भारत में भी सक्रिय मानसून का असर बना रहेगा। बंगाल और सिक्किम में बहुत अधिक वर्षा का अनुमान है, जबकि बिहार, ओडिशा और झारखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी वर्षा होने की संभावना है।

विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ा पहला दिन

चढ़ावा चोरी व पेपर लीक पर संसद में जमकर मचा कोहराम

- खड़गे बोले-लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-ऐक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो।

- **मोदी बोले-सत्र प्रोडक्टिव रहे, यही उम्मीद-** -मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-ऐक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। इससे देश का कल्याण होता है। इसलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून और मानसून सत्र प्रोडक्टिव रहे। संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है। तर्क-तथ्य के साथ सदन की चर्चा को मजबूत किया जाए, हर आवाज को सम्मान मिले। मैं सभी सांसदों को सदन में चर्चा के लिए निमंत्रण देता हूं। पिछले दिनों राजस्थान में सबसे बड़ी रिफाइनरी समर्पित की गई।
- **संकट के बीच भारत मजबूत रहा-** लगातार कहीं न कहीं विपरीत स्थितियां बनती रही हैं। पश्चिम एशिया का युद्ध संकट का कारण रहा। पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाइजर्स का संकट आया, लेकिन भारत 7.7 फीसदी की विकास दर बढ़ने वाला देश रहा। लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) की जाएगी। यह बिल मई में जारी ऑर्डिनेंस की जगह लेगा। ऑर्डिनेंस लागू होने के बाद 5 नए जज नियुक्त किए जा चुके हैं।

वैष्णो देवी की यात्रा पर 'मौसम' ने लगाया ब्रेक

- भूस्खलन से यात्रा मार्ग प्रभावित, कटरा में फंसे हजारों श्रद्धालु • किसी ने लौटने का किया फैसला तो कोई कर रहा है इंतजार

कटरा (एजेंसी)। मौसम विभाग की चेतावनी और लगातार खराब मौसम को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोमवार को भी यात्रा स्थगित रखने का निर्णय लिया। यात्रा बंद रहने के कारण आधार शिविर कटड़ा में करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने घरों की ओर लौटना शुरू कर दिया है। यात्रा स्थगित होने के चलते शनिवार से कटड़ा में रुके कई श्रद्धालु कटड़ा रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से अपने गंतव्य की ओर रवाना होते देखे गए। वहीं, जो श्रद्धालु अभी भी यात्रा बहाल होने की उम्मीद में कटड़ा में ठहरे हुए हैं, वे नौ देवी मंदिर, बाबा धनसर के दर्शन के लिए जा रहे हैं।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को मंजूरी

बिना किसी जांच के 4 से 60 साल तक के लोग ले सकेंगे डोज, देश में ही बनेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पहली बार डेंगू की वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने ताकेदा बायोफार्मा स्यूटिकल्स इंडिया की वैक्सीन क्यूडेंगा को बाजार में इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। कंपनी के मुताबिक, यह वैक्सीन चार से 60 साल तक के लोगों को लगाई जा सकेगी। इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ था या नहीं। भारत में मिली मंजूरी ताकेदा के वैश्विक क्लीनिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम के आधार पर दी गई है। इसके तहत फेज-1, फेज-2 और फेज-3 के कुल 19 क्लीनिकल ट्रायल किए गए, जिनमें 28 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। क्यूडेंगा की दो डोज दी जाती हैं। प्रत्येक डोज 0.5 मिलीलीटर की होती है और त्वचा के नीचे इंजेक्शन के जरिए लगाई जाती है।

दोनों डोज के बीच तीन महीने का अंतर रखा जाता है।

देश में ही होगा वैक्सीन का उत्पादन- क्यूडेंगा असल में जापानी कंपनी टाकेडा की खोज है, लेकिन हमारे लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि मेक इन इंडिया के तहत इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन देश में ही होगा। इसके लिए टाकेडा ने हैदराबाद की जानी-मानी फार्मा कंपनी बायोलॉजिकल ई के साथ करार किया है।

- **भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल-** ताकेदा के मुताबिक, भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। देश के कई हिस्सों में डेंगू वायरस के चारों सीरोटाइप एक साथ फैल रहे हैं। कंपनी के मेडिकल अफेयर्स प्रमुख गोह चू बेंग ने कहा कि क्यूडेंगा को चारों सीरोटाइप से सुरक्षा देने के लिए तैयार किया गया है। यह मंजूरी भारत में डेंगू रोकथाम की रणनीति को मजबूत करेगी।

125 से ज्यादा देशों में डेंगू के मामले

यह गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरती है। इसके बाद क्यूडेंगा और पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन जैसी वैश्विक एजेंसियां भी इसकी खरीदी कर सकती हैं। डेंगू मच्छरों से फैलने वाली वायरल बीमारी है, जिसके मामले 125 से ज्यादा देशों में सामने आते हैं। कंपनी के मुताबिक, दुनिया में डेंगू के कुल मामलों का करीब एक-तिहाई बोझ भारत पर है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और मच्छरों के बढ़ते प्रजनन के कारण खतरा बढ़ रहा है।

बंगाल में सरकारी कामों के लिए बंगाली भाषा होगी अनिवार्य

सितंबर से तैयारी, सीएम शुभेंदु अधिकारी ने की घोषणा

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में घोषणा की कि एक सितंबर से पश्चिम बंगाल में सरकार के सभी स्तरों पर बंगाली भाषा अनिवार्य होगी। सीएम अधिकारी ने विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार के सभी तरह के कम्युनिकेशन के लिए बंगाली मुख्य भाषा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के साथ होने वाला सरकारी कामकाज बंगाली और हिंदी, दोनों भाषाओं में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से उन्हें भेजा गया एक पत्र सार्वजनिक किया। इसमें केंद्र ने बंगाली भाषआ के महत्व पर जोर दिया था। पत्र में शाह ने सलाह दी कि बंगाली को ज्यादा प्रमुखता दी जानी चाहिए और प्रशासनिक और आधिकारिक ढांचे में इसकी सक्रिय तैनाती की सिफारिश की गई है। शाह ने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अंतरराज्यीय प्रशासनिक चैनलों के लिए हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा,यह फैसला राज्य की आधिकारिक प्रणाली में बंगाली भाषा के उपयोग को और मजबूत करने के लिए लिया गया है। अधिकारी के अनुसार, सभी राज्य सरकार के विभागों में इसका उपयोग अनिवार्य होगा।

पुलिस ने भांजी लाठी

संसद तक पहुंचे प्रदर्शनकारी

- पुलिस ने अभिजीत दीपके को जंतर-मंतर से उठाया • पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, लाठीचार्ज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने सभी सांसदों से छात्रों के समर्थन में खड़े होने की अपील की है। इससे पहले, सीजेपी के समर्थक सोमवार को संसद भवन के करीब पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसके बाद संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। सुबह प्रदर्शनकारी राजीव चौक और मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन में भी घुस गए थे।

कुछ लोग बैरिकेडिंग तोड़कर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने तक भी पहुंचे थे। सीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के साथ बातचीत की है।

शांतिपूर्ण विरोध में लाठीचार्ज, शशि थरूर ने सरकार को घेरा

जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान सुरक्षा बलों के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक घमासान बढ़ता जा रहा है। सभी प्रमुख विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे को उठा रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का मुद्दा संसद में उठाया है। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी लाठीचार्ज के मुद्दे पर सरकार को घेरा है। सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि जब शांतिपूर्ण विरोध हो रहा हो, तो लाठीचार्ज की क्या वजह है, लाठीचार्ज अहिंसा का काम नहीं है।

- **डिंपल यादव समेत कई अन्य सपा सांसद हिरासत में-** समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद डिंपल यादव ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में संसद से जंतर-मंतर तक मार्च निकाला। इस मार्च में डिंपल यादव समेत कई सपा सांसद शामिल हुए। इस दौरान डिंपल यादव ने केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया और कहा कि देश में युवाओं, किसानों और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर सरकार संवाद करने को तैयार नहीं है। मार्च के दौरान डिंपल यादव ने कहा,हम चाहते हैं कि छात्रों की आवाज सुनी जाए, क्योंकि अब हालात असहनीय हो चुके हैं। देश में किसान और युवा परेशान हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग के अपहरण का आरोप, बेहोशी की हालत में मिली पीड़िता, छेड़खानी की शिकायत

हाजीपुर। वैशाली जिले में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और छेड़खानी के प्रयास का मामला सामने आया है। महनार थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई इस घटना में दो युवकों पर आरोप लगा है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है। पीड़िता की दादी ने बताया कि उनकी पोती दूध लाने के लिए घर से निकली थी। काफी देर तक उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजनों ने महनार थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने परिजनों के साथ मिलकर लड़की को घर से कुछ दूरी पर बेहोशी की हालत में बरामद किया। होश में आने के बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को बताया कि गांव के ही दो युवकों ने उसे अगवा कर छेड़खानी की थी। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा। महनार के एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने जानकारी दी कि जिन दो लड़कों पर दुराचार का आरोप है, उनमें से एक के साथ पीड़िता पहले से बातचीत करती थी। पुलिस फिलहाल परिजनों के आवेदन और मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मामले की गहनता से जांच जारी है।

पूर्व मुखिया के घर पास 4 बम फेंके, 3 फटे, वैशाली में दहशत फैलाने की फायरिंग, एक जिंदा बम बरामद

हाजीपुर। वैशाली में सोमवार देर रात पूर्व मुखिया के दलान के पास अज्ञात बदमाशों ने लगातार बम फेंककर फायरिंग कर दी। धमाकों की आवाज पूरे इलाके में सुनाई दी जिसके बाद आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। घटना में फेंके गए चार बमों में 3 विस्फोट हो गए, जबकि एक जिंदा बम मौके से बरामद हुआ। सूचना मिलते ही जंदाहा थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। शुरुआती पड़ताल में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन वारदात से ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया है। स्थानीय स्तर पर इस हमले को पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले जलजमाव के दौरान हुए विवाद, ट्रक चालक की पिटाई और उसके बाद मेले में हुई मारपीट के कारण दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। आरोपों की भी निष्पक्ष पड़ताल होगी और दोषियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र में देर रात पूर्व मुखिया शंभू यादव के दलान (घर के बाहरी हिस्से) के पास बदमाशों ने बम फेंके और फायरिंग की। इस घटना में फेंके गए 4 बमों में से 3 फट गए, जबकि एक जिंदा बम पुलिस ने मौके से बरामद किया है। सूचना मिलते ही जंदाहा थाना अध्यक्ष अनामिका कुमारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और मामले की जांच शुरू कर दी। यह घटना मुकुंदपुर भाथ पंचायत के वार्ड संख्या 12 में बीती रात करीब डेढ़ बजे के करीब हुई। बदमाशों ने दहशत फैलाने के इरादे से पूर्व मुखिया शंभू यादव के दलान के पास बम फेंके थे।

शादी के 4 महीने बाद पति-पत्नी का शव मिला

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में रविवार की रात पति और पत्नी का फंदे से झूलता शव मिला। दोनों का शव अलग-अलग कमरों से बरामद किया गया। चार महीने पहले दोनों की शादी हुई थी। घटना मोतीपुर थाना क्षेत्र के नरियार गांव की है। मृतकों की पहचान सिवाईपट्टी थाना के हरसेर निवासी विजय कुमार (21) और पत्नी अंजलि कुमारी(18) के तौर पर हुई है।पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है। एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए हैं। विजय के भाई का कहना है कि उसकी भाभी ने खुदकुशी की, जिसके बाद उसके परिवार वालों ने मेरे भाई की हत्या की, फिर उसे फंदे से लटका दिया। नरियार निवासी अनिल सहनी ने अपनी बेटी अंजलि कुमारी(18) की शादी सिवाईपट्टी थाना के हरसेर में विद्यानंद सहनी के पुत्र विजय कुमार(21) के साथ की थी। इसी साल 13 मार्च को शादी हुई थी। विवाहिता शादी के बाद पहली बार 10 दिन पहले अपने मायके आई थी। पति भी ससुराल आता-जाता रहता था। अंजलि 15 दिनों से अपने मायके में थी। उसकी विदाई की तैयारी की जा रही थी। इसी वजह से माता-पिता बाजार गए थे। घर पर केवल पति-पत्नी थे। परिजन जब बाजार से लौटे तो दोनों का घर में शव मिला। मृतक के छोटे भाई अजय ने आरोप लगाते हुए कहा, लड़की ने खुदकुशी की है। मेरा भाई जब भागने लगा तो उसे मौत के घाट उतार दिया। लड़की मेरे घर भी लड़ाई करती थी, एक बार फांसी लगाने की कोशिश की थी। घर में छोटी से बात पर झगड़ा करने लगती थी। लड़की के घरवाले सब फरार हैं। मृतक के भाई बैजू कुमार ने कहा, मेरे छोटे भाई और उसकी पत्नी की मौत हुई है। मेरे रिश्तेदार के पास कल शाम में शादी कराने वाले अगुवा ने फोन किया था। बताया कि दोनों ने फांसी लगा ली है। मेरा भाई ससुराल गया था। उसको मैंने फोन कर आने के लिए कहा था, लेकिन वो नहीं आया। मेरे भाई की हत्या हुई है। 10 दिन पहले उसकी पत्नी मायके गई थी। बीच-बीच में मेरा भाई आता जाता था। अभी तीन दिन पहले वो ससुराल गया था। दोनों पति-पत्नी के बीच वहां झगड़ा हुआ था। उसकी सास बोल रही थी कि उसको मारेंगे। वो मायके जाने के लिए झगड़ा करती थी।

पत्नी का हत्यारा 8 साल बाद गिरफ्तार, मर्डर के बाद सीतामढ़ी में छिपा था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने 8 साल से फरार हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने 2018 में अपनी पत्नी का मर्डर किया था। पुलिस के अनुसार आरोपी का अवैध संबंध था, जिसका पत्नी हमेशा विरोध करती थी। इसी बात पर उसकी हत्या कर दी। जिले में टॉप-10 वांटेड की लिस्ट में उसे शामिल किया गया था। सदर थाना की पुलिस ने सीतामढ़ी से उसे गिरफ्तार किया है। मृतका के भाई ने सदर थाना में हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एफआईआर में पति राजेश कुमार यादव, उसकी मां और एक अन्य महिला को नामजद आरोपी बनाया गया था। मामला सदर थाना क्षेत्र के नंदपुरी मोहल्ले का है। जांच के दौरान एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की रिपोर्ट में एल्यूमिनियम फॉस्फाइड सहित अन्य रासायनिक पदार्थों के इस्तेमाल की पुष्टि हुई थी। इसके बाद पुलिस ने हत्या के मामले में कार्रवाई तेज की, लेकिन मुख्य आरोपी राजेश कुमार यादव लगातार फरार रहा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से वारंट जारी किया गया था। लंबे समय तक फरार रहने के कारण उसे मुजफ्फरपुर पुलिस की टॉप-10 वांटेड सूची में शामिल किया गया था। विशेष पुलिस टीम लगातार उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि वह सीतामढ़ी जिले में छिपा हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा ने बताया कि हत्या के मुख्य आरोपी राजेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले में नामजद 2 अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

ज्वेलरी कारोबारी से 50 लाख की डकैती, छत से घुसे 10 बदमाश

हथियार दिखाकर परिवार को बंधक बनाया, विरोध करने पर कहा- ठोक देंगे

एजेंसी, पटना

पटना में एक ज्वेलरी दुकान में हथियारबंद अपराधियों ने 50 लाख से अधिक की डकैती की है। गिरोह में 10 डकैत शामिल थे। डकैत रविवार रात 1:30 बजे दुकान और घर में घुसे। इसके बाद हथियार के दम पर परिवार वालों को बंधक बनाया। फिर लगभग 50 लाख रुपये के सोने और चांदी के गहने लूटकर सभी बदमाश फरार हो गए। घटना पटना सिटी के भगवानगंज मुख्य बाजार स्थित चांदनी अलंकार ज्वेलरी शॉप की है। अपराधियों ने ज्वेलरी व्यवसायी की बाइक भी साथ ले गए, जो जहानाबाद में मिली। सिलसिलेवार तरीके से जानिए पूरी वारदात....

10 हथियार बंद लुटेरे घर में घुसे, बंधक बनायाः चांदनी अलंकार ज्वेलरी के मालिक दीपक सोनी ने बताया, 'रविवार की रात हमारा परिवार सो रहा था। रात लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच 10 हथियार बंद लुटेरे घर के पीछे से सीढ़ी के जरिए छत पर चढ़े और अंदर आ गए। घर में घुसते ही उन लोगों ने परिवार

के सभी लोगों को हथियार के बल पर बंधक बना लिया। इसके बाद अपराधियों ने तिजोरी की चाबी मांगी। उसके बाद बदमाश ये कहने लगे कि साथ चलकर नीचे दुकान की तिजोरी खोलो। बार-बार हथियार दिखाने पर मैंने दुकान में जाकर तिजोरी खोल दी। इसके बाद अपराधियों ने तिजोरी में रखे लगभग 200-250 ग्राम सोने के जेवर और 15 किलो चांदी लूट लिए।'

महिलाओं के गहने भी उतरवाएः दुकान लूटने के बाद अपराधियों ने घर की महिलाओं के पहने हुए जेवर भी उतरवा लिए। साथ ही गोदरेज में रखे गए सोना-चांदी के जेवर भी लूटे और फरार हो गए। दीपक सोनी ने बताया, लूटपाट के बाद अपराधी मेरी एक बाइक और मोबाइल भी छीन कर ले गए।

50 लाख से अधिक के गहने अपराधियों ने लूटेः दीपक सोनी ने बताया, 'तिजोरी में रखे लगभग 200-250 ग्राम सोने के जेवर की कीमत करीब 21 लाख है। वहीं 15 किलो चांदी के गहनों की कीमत करीब 30 लाख से अधिक की थी। साथ ही महिलाओं के गहने और अलमारी में रखे जेवर भी बदमाश लूटकर ले गए।' परिजनों के मुताबिक, करीब 50 लाख से अधिक के गहने अपराधियों ने लूटे हैं।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, छापेमारी जारीः घटना की सूचना मिलते ही भगवानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक कारोबारी की बाइक जहानाबाद से बरामद कर ली गई है। पुलिस अपराधियों की पहचान में जुटी है।

घर से दो राइफल, एक कट्टा बरामद, एक युवक गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

❐ पूछताछ कर रही पुलिस, हथियारों के स्रोत की जांच जारी

पटना के पालीगंज अनुमंडल में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है। सिगोरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नेरिया गांव में देर रात छापेमारी किया। इस दौरान घर से दो राइफल और एक देसी कट्टा जब्त किया। इस मामले में धर्मेंद्र पासवान नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि नेरिया गांव निवासी धर्मेंद्र पासवान अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे हुए है और किसी बड़ी वारदात की तैयारी में है। सूचना मिलते ही सिगोरी थाना प्रभारी तनेश पायल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान घर के अंदर से दो अवैध राइफल और एक देसी कट्टा बरामद किया गया। इस दौरान आरोपी ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

हथियारों के स्रोत की जांच में जुटी पुलिसः गिरफ्तार धर्मेंद्र पासवान से पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच का मुख्य फोकस यह पता लगाना है कि बरामद हथियार कहां से लाए गए और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी का किसी आपराधिक गिरोह से संबंध तो नहीं है।

थाना प्रभारी ने क्या कहा?: सिगोरी थाना प्रभारी तनेश पायल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर से दो राइफल और एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। हथियारों के नेटवर्क और संभावित आपराधिक गतिविधियों को लेकर पूछताछ जारी है।

पटना रेपिडो कार से शराब की तस्करी स्टेशन गोलंबर के पास कार पकड़ा

एजेंसी, पटना

पटना में रैपिडो के जरिए शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के पटना जंक्शन गोलंबर का है, जहां वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक रैपिडो कार से विदेशी शराब बरामद किया है। इस दौरान कार सवार संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया, लेकिन शराब बरामद कर लिया गया है।

चेकिंग के दौरान भागा रैपिडो कार सवारः मौके पर मौजूद पदाधिकारी अनिल कुमार (दारोगा) के मुताबिक, आचार संहिता के मद्देनजर नजर पटना जंक्शन से सटे कोतवाली इलाके के गोलंबर पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही रेपिडो कार को पुलिसकर्मियों ने रोका और तलाशी शुरू की। इस दौरान आगे की सीट पर बैठा शख्स फरार हो गया। गाड़ी की डिक्की खोलकर चेक की गई तो सूटकेस के अंदर अखबार से लपेटकर शराब की बोतलें रखी गई थी। सभी को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल कार को कोतवाली थाना लाया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है।

हाल ही में इसी गोलंबर से कटिहार का एक छात्र शराब की खेप के साथ पकड़ा गया था। उसने अपने पूरी बॉडी में शराब छुपा कर रखी थी। तलाशी के दौरान कपड़ा हटाकर देखने पर शराब मिली थी। उसने पूछताछ के दौरान बताया था कि ट्रेन के जरिए उत्तर प्रदेश से शराब की खेप लाई थी और नाला रोड में डिलीवरी देनी थी।

पटना यूनिवर्सिटी में पेपर लीक के खिलाफ आईसा का प्रदर्शन, 22 जुलाई को राजभवन मार्च का ऐलान

एजेंसी, पटना

◆ दिल्ली में सीजेपी के आंदोलन का किया समर्थन

पेपर लीक, शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ आज पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों का जुटान हुआ। छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स' एसोसिएशन (AISA) की ओर से "छात्र-युवा आक्रोश दिवस" का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र-युवा आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने "शिक्षा बेचना बंद करो", "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो" जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन में फोटो प्रदर्शनी, जनगीत और सभा का भी आयोजन किया गया। AISA ने घोषणा की कि 22 जुलाई को पटना यूनिवर्सिटी से राजभवन मार्च निकाला जाएगा।

छात्र नेताओं ने सरकार पर साधा निशानाः पटना यूनिवर्सिटी की छात्रा सबा अफरीन ने कहा, 'दिल्ली में 21 दिनों से जंतर मंतर पर क्या चल रहा है, यह हम सभी लोग जानते हैं। सभी यही मांग कर रहे हैं कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, एनटीए को खारिज किया जाए और आत्महत्या करने वाले छात्रों के प्रति थोड़ी संवेदना जाहिर करें। इन सभी 22 छात्रों की संस्थागत हत्या की गई है। सोनम वांगचुक लगातार भूख हड़ताल कर रहे थे और इसे तोड़ना नहीं चाह रहे थे, लेकिन सरकार जबरन उन्हें सफेद कपड़े में किडनैप कर जाती है। हमारे साथियों ने आज भूख हड़ताल तोड़ी है और संसद में मार्च करेंगे। इसके बाद भी अगर सरकार नहीं सुनती है तो आंदोलन के जो भी स्वरूप है, उसे अपनाए जाएंगे।

फांसीवाद का दौर देश में ला रही सरकार- सबा अफरीनः छात्रा सबा अफरीन ने आगे कहा, 'इस सरकार को छात्रों की बात सुन लेनी चाहिए, क्योंकि इतनी ज्यादा आक्रोश के बाद भी अगर आप यह कल्चर लेकर आए हैं कि जो भी करो हम नहीं सुनेंगे। इसका मतलब यह है कि आप फांसीवाद का दौर देश में ले आ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'जैसे देश भर के छात्र धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। वैसे ही बिहार के छात्र मिथिलेश तिवारी का इस्तीफा मांग रहे हैं।'

NEET, AEDO और TRE-4 के मुद्दे उठाएः छात्रा मनीषा ने कहा, 'NEET पेपर लीक के खिलाफ, बिहार में AEDO की पेपर लीक, TRE 4 की नोटिफिकेशन को लेकर हम अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। आज दिल्ली में छात्र अपनी आवाज बुलंद करने के लिए संसद मार्च कर रहे हैं। उन्हें समर्थन देने के लिए आज हम लोग यहां पर पटना से उनके आवाज को मजबूत कर रहे हैं। 22 जुलाई को पटना यूनिवर्सिटी से छात्र राजभवन मार्च करेंगे। बिहार में शिक्षा से जुड़े जो भी दमन बच्चों पर हो रहे हैं उसके खिलाफ प्रदर्शन का आवाहन किया गया है।

पटना से 17 साल की लड़की गायब, मां बोली- किडनैपिंग, मोबाइल शॉप पर काम करती थी

एजेंसी, पटना

◆ फ्रेंड ने फोटो शेयर कर आपत्तिजनक कमेंट की थी

पटना में 17 साल की एक लड़की कल से लापता है। लड़की का नाम सौम्या भारती है। वो रामकृष्णा नगर की रहने वाली है। कोतवाली थाना इलाके के हरि निवास क्षेत्र से वो लापता हुई है। सौम्या ने रघुनाथ बालिका उच्च विद्यालय से 10वीं की पढ़ाई पूरी की है। इसके बाद वो अपने खर्च के लिए हरि निवास इलाके में स्थित एक मोबाइल दुकान पर काम कर रही थी। घटना के बाद से परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं और उन्होंने अपहरण की आशंका जताई है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

मां बोली- घर से मोबाइल शॉप के लिए गई थीः सौम्या की मां दीपा देवी ने बताया कि मेरी बेटी रविवार दोपहर करीब 12 बजे हरि निवास इलाके के मोबाइल शॉप में ड्यूटी के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम करीब 7 बजे के बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका। मुझे आशंका है कि अपहरण हुआ है। 7 दिन पहले मेरे घर पर कुछ अज्ञात लड़कों ने आकर मारपीट की थी। उसमें बिट्टू नाम का लड़का और दूसरे भी शामिल थे। उसी घटना के बाद कल से मेरी बेटी लापता हो गई है। दरअसल, सौम्या की एक बेस्ट फ्रेंड ने उसकी तस्वीर इंस्टा आईडी पर लगाई थी और उस पर आपत्तिजनक कमेंट लिखे थे। जब हमें इसका पता चला तो हमने विरोध जताया था। हम उसकी फ्रेंड के घर गए थे। उसके परिवार वालों से शिकायत की थी। इस बात से नाराज होकर 14 जुलाई की दोपहर कुछ अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर हमारे साथ मारपीट की। इसके बाद हम रामकृष्णा नगर थाने पहुंचे। थाने में मामले की शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस की ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया गया।

बड़ी बहन बोली- पुलिस एक्शन नहीं ले रहीः सौम्या की बड़ी बहन दिव्या भारती ने बताया कि मेरी बहन को तलाशने के लिए पुलिस कुछ नहीं कर रही है। कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। परिवार लगातार परेशान है और पुलिस से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा। हमारे पिता बैरिया बस स्टैंड के पास फास्ट फूड की दुकान चलाते हैं। इन सब मामलों के बाद मकान मालिक भी घर खाली करने का दबाव बना रहे हैं। हम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। पुलिस के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद सौम्या को तलाशने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच के दौरान एक लड़के के घर भी पुलिस पहुंची थी, लेकिन लड़का परिवार सहित फरार हो गया है।

पटना में मंदिर निर्माण को लेकर झड़प, जमकर चले लाठी-डंडे

एजेंसी, पटना

❐ दीवार तोड़कर मूर्ति कुएं में फेंकी, विरोध करने पर बवाल

पटना में बाबा चौहरमल मंदिर निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में लाठी-डंडे और चाकू चले, जिसमें एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। घटना बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत पंडारक थाना क्षेत्र स्थित पीएचसी के पास हुई है। सभी घायलों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां एक एक गंभीर घायल को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

प्रतिमाएं कुएं में फेंकने का आरोपः घायल पक्ष का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने पंडारक स्थित महावीर मंदिर के समीप निर्माणाधीन बाबा चौहरमल मंदिर की ईंट की दीवार तोड़ दी और वहां स्थापित प्रतिमा को उखाड़कर पास के कुएं में फेंक दिया। आरोप है कि जब ग्रामीण प्रतिमा को कुएं से निकालने और घटना का विरोध करने पहुंचे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों और बांस से हमला कर दिया। इसी दौरान जितेंद्र कुमार पर चाकू से वार किया गया।

पीएचसी में हंगामा, पुलिस के सामने नारेबाजीः घटना के बाद घायलों को पीएचसी लाया गया, जहां करीब एक घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। डायल-112 पुलिस टीम की मौजूदगी में भी आक्रोशित लोगों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और दूसरे पक्ष के खिलाफ नारेबाजी की।

अचानक कार सवार पर फायरिंग घटनास्थल से एक खोखा मिला

एजेंसी, पटना

◆ पुलिस ने किया मामला दर्ज

राजीव नगर रोड नंबर 9 B में 17 जुलाई की रात 11 बजे फायरिंग की वारदात हुई थी। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ राजीव नगर थाने में पीड़ित के आवेदन के मुताबिक केस रजिस्टर्ड किया गया है। हालांकि पीड़ित की ओर से भी घटना की वजह या किसी विवाद को स्पष्ट नहीं किया गया है। पीड़ित सुंदरम कुमार के मुताबिक वह कार से लौट रहे थे। इसी बीच एक अज्ञात बाइक सवार हमलावर ने उनके ऊपर फायरिंग की। गनीमत की बात रही कि गोली और कार में मौजूद एक दूसरे सवार को नहीं लगी। उन्होंने कहा कि मुझे भी मालूम नहीं है कि किस वजह से फायरिंग की गई।

गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरूः SDPO लॉ एंड ऑर्डर 2 कोमल मीणा ने बताया कि आरोपी सिंगल था। सीसीटीवी फुटेज चेक की गई है। उसके आधार पर आरोपी की पहचान करने की कोशिश जारी है। उसके आधार पर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी हो रही है। घटना किस वजह से हुई, अरेस्टिंग के बाद ही क्लियर हो पाएगा। फिलहाल अनुसंधान जारी है।घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। बता दें कि गोलीबारी 11 बजे के आस पास हुई। उस वक्त मार्केट में लोग मौजूद थे। गोलीबारी की आवाज सुनकर दहशत का माहौल बन गया।

पटना का पहला इंटरनेशनल हॉकी ग्राउंड अगस्त में खुलेगा

एजेंसी, पटना

❐ नीदरलैंड से मंगाई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगी, पेरिस ओलिंपिक 2024 में किया गया था इस्तेमाल

पटना के पहले इंटरनेशनल हॉकी ग्राउंड की सौगात अगस्त महीने में मिल जाएगी। इसमें नीदरलैंड से मंगाई गई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगाई जा रही है। पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे लेटेस्ट टर्फ है। इसके बाद पाथ-वे बनाने और स्प्रिंकलर लगाने का काम शुरू होगा। राजेंद्रनगर स्थित फिजिकल कॉलेज के पीछे बन रहा ये हॉकी एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड 8.44 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। 29 अगस्त को खेल दिवस पर इसका उद्घाटन होने की संभावना है। बिहार शहरी आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (बुडको) द्वारा इसका निर्माण कार्य किया जा रहा है।

पेरिस ओलिंपिक 2024 में इस्तेमाल किया गया ऐसा एस्ट्रोटर्फः ऐसे ही एस्ट्रोटर्फ का इस्तेमाल पेरिस ओलिंपिक 2024 में किया गया था। यह खेल की रफ्तार बढ़ाने के साथ खिलाड़ियों के चोटिल होने के खतरे को कम करती है। बीच में इस एस्ट्रोटर्फ का काम रुक गया था। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन की अधिकृत जांच एजेंसी ने जांच के बाद अपनी फाइनल रिपोर्ट में इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के बिल्कुल अनुरूप पाया है। इस ग्रीन सिग्नल के बाद इसी हफ्ते से मैदान पर फाइनल टर्फ बिछाने का काम शुरू हो गया है।

राजगीर के बाद अब राजधानी के हॉकी ग्राउंड में भी एस्ट्रोटर्फ लगाया जाएगा। यह बिहार का दूसरा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का मैदान होगा। ग्राउंड तैयार होने के तुरंत बाद दूसरे फेज का काम शुरू होगा। 1,000 दर्शकों के लिए परमानेंट और आवश्यकता पड़ने पर 1,500 दर्शकों की अस्थायी गैलरी बनेगी। यहां बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के रुकने के लिए अत्याधुनिक डोरमेट्री बनेगी। इस ग्राउंड के चालू होने से स्थानीय खिलाड़ियों को हर दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदान पर नियमित अभ्यास का मौका मिलेगा और बिहार में नेशनल-इंटरनेशनल हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी का रास्ता साफ हो जाएगा। यहां पहले दलदली जमीन हुआ करती थी। जिस जगह इंटरनेशनल टर्फ बिछाने की तैयारी है, वहां कभी लगभग 2 मीटर तक पानी में डूबा दलदली क्षेत्र हुआ करता था। चारों ओर से लगातार पानी रिसाव, 3 मीटर तक ऊंची घास और दलदल की कई परतों के कारण यह मैदान वर्षों तक किसी भी खेल गतिविधि के योग्य नहीं था। मैदान को खेलने योग्य बनाने के लिए पटना मेट्रो से हजारों ट्रॉली विशेष मिट्टी मंगाई गई है। दलदली पॉकेट्स को हटाने के लिए मशीनों से खुदाई कर रबल भरकर मैदान को स्थिर किया गया। इस खेल स्टेडियम की आधारशिला 2011 में रखी गई थी। 2011 के तत्कालीन मंत्री सुखदा पांडे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर फिजिकल कॉलेज के पीछे हॉकी के एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड के निर्माण का शिलान्यास किया था, जिसे 2013 तक बनकर तैयार होना था। मगर 15 वर्ष बाद भी पुरी तरह से तैयार नहीं हो पाया। पटना में एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम का निर्माण कार्य को लेकर 30 अगस्त 2023 को कला, संस्कृति एवं युवा विभाग ने पत्र जारी कर इसका निर्माण कार्य बुडको को सौंपा।

संक्षिप्त समाचार

22 जुलाई को एएसआई (प्रचालक) भर्ती परीक्षा होगी कदाचारमुक्त, 12 केंद्रों पर 7,777 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी। बिहार पुलिस रेडियो (वितंतु) में सहायक अवर निरीक्षक (प्रचालक) पद पर चयन के लिए 22 जुलाई, बुधवार को कल आयोजित होने वाली प्रतियोगिता परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पूर्वी चंपारण जिले में परीक्षा के लिए 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 7,777 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक एक ही पाली में आयोजित होगी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देश पर समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती की अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन ने सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर, बिजली, पेयजल, घड़ी एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी सुबह 9 बजे तक अपनी ड्यूटी स्थल पर उपस्थित रहेंगे। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा, जबकि 10:30 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। परीक्षार्थियों की तीन चरणों में फ्रिस्किंग की जाएगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिलेगा। परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, घड़ी, इरेजर, शार्पनर तथा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने बताया कि परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सशस्त्र बल एवं महिला कर्मियों की तैनाती की गई है। परीक्षा केंद्रों के 200 गज की परिधि में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। साथ ही परीक्षा तिथि पर केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे बंद रहेंगे तथा परीक्षा केंद्रों में मीडिया के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो परीक्षा के दिन दूरभाष संख्या 06252-242418 पर कार्यरत रहेगा। संयुक्त ब्रीफिंग में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, डीपीओ (शिक्षा) ब्रजेश कुमार, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सभी केंद्राधीक्षक उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो से खुला अंतर्जिला गृहभेदन गिरोह का राज, लाखों के जेवर, नकदी और हथियार के साथ तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक सक्रिय अंतर्जिला गृहभेदन (चोरी) गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लाखों रुपये मूल्य के आभूषण, एक लाख रुपये नकद, दो देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, तीन मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन तथा चोरी में प्रयुक्त औजार बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 18 जुलाई को मुफ्फसिल थाना के सरकारी मोबाइल पर चोरी का एक वायरल वीडियो प्राप्त हुआ। सत्यापन में पता चला कि वीडियो में दिख रहे अपराधी चोरमा और पकड़ीदयाल क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल थे। इसके बाद 19 जुलाई को सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश पांडेय एवं पकड़ीदयाल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मधुबनीघाट में छापेमारी कर शंभू साह और धर्मेंद्र साह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने कई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर पवन कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह के फरार सदस्य अजय साह, बजरंग साह और बिरेन्द्र साह की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 479/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह मोतिहारी, बेतिया, समस्तीपुर समेत अन्य जिलों में संगठित तरीके से चोरी की कई वारदातों को अंजाम देता था। गिरफ्तार अपराधियों के विरुद्ध पूर्व से भी कई गृहभेदन के मामले दर्ज हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक लाख रुपये नकद, दो देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, तीन मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, पीतल के बर्तन तथा चोरी में प्रयुक्त औजार बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में शंभू साह (वर्तमान निवासी मधुबनीघाट, मूल निवासी चकमेहसी, समस्तीपुर), धर्मेंद्र साह (वर्तमान निवासी मधुबनीघाट, मूल निवासी उजियारपुर, समस्तीपुर) तथा पवन कुमार (ब्रिजबनी, थाना जितना, पूर्वी चंपारण) शामिल हैं। इस कार्रवाई में सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश पांडेय, पकड़ीदयाल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष अमित कुमार, पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार, मुफ्फसिल थाना के अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक महेश कुमार, रामानंद साह, मुकेश कुमार, रोहन कुमार, बलबीर कुमार, सुभाष कुमार, पप्पू जी दूबे, पंकज कुमार सिंह तथा मुफ्फसिल एवं पकड़ीदयाल थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मोतिहारी में गांव में घुसा मगरमच्छ, भैंस पर किया हमला; ग्रामीणों ने रस्सी से बांधकर पकड़ा

बीएनएम@ मोतिहारी/अरेराज। पूर्वी चंपारण के मलाही थाना क्षेत्र अंतर्गत चटिया बड़हरवा पंचायत के वार्ड संख्या 3 में सोमवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मगरमच्छ गांव में घुसकर भैंस को अपना शिकार बनाने की कोशिश करने लगा। ग्रामीणों ने हिम्मत और सूझबूझ का परिचय देते हुए कुत्तों की मदद से मगरमच्छ को घेर लिया और रस्सी से बांधकर काबू में कर लिया। घटना के बाद पंचायत मुखिया समेत ग्रामीण पूरी रात वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास करते रहे, लेकिन आरोप है कि किसी अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया। बताया जाता है कि अरेराज के अंचलाधिकारी (सीओ) को सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम करीब 8 घंटे बाद मौके पर पहुंची। इसके बाद टीम ने ग्रामीणों से मगरमच्छ को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित रेस्क्यू किया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए समय पर कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है।

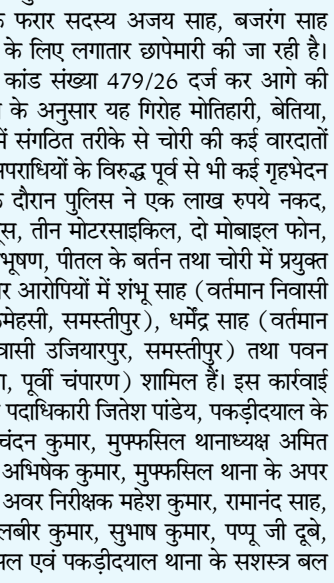

एमजीसीयू के युवा संवाद में 'पंच परिवर्तन' पर मंथन, व्यवहार परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण का आह्वान

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के मीडिया अध्ययन विभाग में शनिवार को 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'पंच परिवर्तन आधारित युवा संकल्प' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी, सामाजिक समरसता और स्वबोध जैसे विषयों पर चर्चा करते हुए युवाओं से सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। पूर्व बीपीएससी सदस्य एवं मीडिया अध्ययन विभाग के प्रोफेसर अरुण कुमार भगत ने जल एवं वायु प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए प्लास्टिक के उपयोग से बचने और पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक शिवम जी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर केवल चर्चा या सेमिनार पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इन बातों को व्यवहार में उतारना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी से ही वास्तविक परिवर्तन संभव है। उन्होंने युवाओं को '3P' का संदेश देते हुए पहला 'P' जल संरक्षण, दूसरा 'P' सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति और तीसरा 'P' अधिक से अधिक पौधारोपण एवं उनकी देखभाल को बताया। उन्होंने दैनिक जीवन में पानी की बचत, कपड़े के थैले के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को आदत बनाने पर जोर दिया। शिवम जी ने नागरिक कर्तव्यों की चर्चा करते हुए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, मातृभाषा, भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करने तथा सामाजिक जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि देशभर में 'पंच प्रण' और 'पंच परिवर्तन' को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी से इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को '10 संकल्प' भी दिलाए गए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, मातृभाषा का सम्मान, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, सेवा, स्वास्थ्य और 'राष्ट्र प्रथम' जैसे संकल्प शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. सुनील दीपक घोडके ने किया। उन्होंने भी युवाओं से 'पंच परिवर्तन' को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. साकेत रमन, डॉ. उमा यादव, डॉ. अरुण दुबे सहित विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जितना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 86 किलोग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, घर से मिली बड़ी खेप

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के जितना थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 86 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर जितना थाना पुलिस ने बनकटवा थाना क्षेत्र स्थित बौद्धी माई मंदिर के समीप छापेमारी की। इस दौरान गांजा की डिलीवरी देने के उद्देश्य से पहुंचे एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पचू राय, पिता देवचंद्र राय, निवासी एवं थाना लखौरा, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से गांजा बरामद होने के बाद पूछताछ की गई। आरोपी की निशानदेही पर उसके घर में छापेमारी की गई, जहां परिसर में बने भूसा रखने वाले कोठार में छिपाकर रखे गए गांजा जैसे मादक पदार्थ के पांच बंडल, जिनका कुल वजन 86 किलोग्राम था, बरामद किए गए। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में सिकरहना के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक कुमार, घोड़ासहन के पर्यवेक्षी पदाधिकारी धनंजय कुमार, जितना थानाध्यक्ष सुधीर कुमार, अपर थानाध्यक्ष शिव जी पासवान, अस्था कुमारी, सहायक अवर निरीक्षक विजय कुमार रजक, पीटीसी सुमित कुमार तथा जितना थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

छह दिवसीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण का शुभारंभ, पहले दिन युवाओं को मिला नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण का पाठ

» 'मेरा युवा भारत' के बैनर तले प्रशिक्षण शुरू, 2.41 लाख युवाओं के पंजीकरण और नशा मुक्त भारत अभियान पर विशेष जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्तशासी संस्थान 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat), पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में जिला के पिपराकोठी स्थित महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान में सोमवार से छह दिवसीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण के पहले दिन स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह एवं कार्यालय प्रमुख संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने युवाओं से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान सीवान के जिला युवा अधिकारी दीपांकर सिंह ने विशेष अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। वहीं, मुंशी सिंह महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार ने नेतृत्व विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन एवं नेतृत्व जिला युवा अधिकारी सुश्री अंकिता ने किया। पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक संजय कुमार और राघव जी ने भी युवाओं का उत्साहवर्धन किया।जिला युवा अधिकारी अंकिता ने बताया कि पूर्वी चंपारण में 2.41 लाख युवाओं को 'मेरा युवा भारत' के डिजिटल मंच से जोड़ने के लिए विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान पर भी विशेष चर्चा हुई। युवाओं को नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, स्लोगन लेखन सहित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। छह दिवसीय इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए युवा स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें नेतृत्व कौशल, सामाजिक सेवा और जनजागरूकता अभियानों के संचालन की व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी।

एलएनडी कॉलेज में 'पंच परिवर्तन आधारित युवा संकल्प' पर बौद्धिक संवाद, युवाओं से राष्ट्र निर्माण का आह्वान

बीएनएम@ मोतिहारी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एलएनडी महाविद्यालय, मोतिहारी में 'पंच परिवर्तन आधारित युवा संकल्प' विषय पर बौद्धिक युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता आरएसएस उत्तर बिहार प्रांत के महाविद्यालय छात्र कार्य प्रमुख एवं महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के प्राध्यापक प्रो. शिवेंद्र सिंह ने युवाओं से सेवा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभाव को जीवन में अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. शिवेंद्र सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष सह बीबीए समन्वयक प्रो. प्रभाकर कुमार, बीबीए विभाग के व्याख्याता सत्यम कार्तिकेय वत्स एवं राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अपने संबोधन में प्रो. शिवेंद्र सिंह ने कहा कि "पंच परिवर्तन" समाज में सकारात्मक बदलाव का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब युवा कर्तव्यबोध के साथ राष्ट्रहित में कार्य करेंगे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकता को समय की प्रमुख आवश्यकता बताया। जिला प्रचारक शिवम् सोनू ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर जोर देते हुए युवाओं से हर वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, भारतीय संस्कृति एवं मातृभाषा के सम्मान तथा संविधान, कानून और नागरिक कर्तव्यों के पालन को मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला बताया। संवाद सत्र में विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका शिवम् सोनू ने विस्तार से उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रभाकर कुमार ने की तथा संचालन सत्यम कार्तिकेय वत्स ने किया। अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सेवा, संस्कार, अनुशासन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी तथा नागरिक कर्तव्यों के पालन का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर एमजीसीयू के प्रो. अरुण दुबे, एबीवीपी कार्यकर्ता ऋषभ राज, तान्या दुबे, अखिलेश्वर मिश्रा, आयुष किशन, बीएड विभाग के प्रभाकर कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

18वीं रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में पूर्वी चम्पारण बना ओवरऑल चैंपियन, 26 अंकों के साथ किया शानदार प्रदर्शन

सुप्रिया, सृष्टि, रितिक और शौर्य समेत खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक, जल्द होगा खेल भवन में सम्मान

बीएनएम@ मोतिहारी

साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार के तत्वावधान में तथा साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ सारण द्वारा आयोजित 18वीं सीनियर, जूनियर एवं सब जूनियर रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप के अंतिम दिन पूर्वी चम्पारण के साइकिलिस्टों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 26 अंक अर्जित कर ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं 23 अंकों के साथ सिवान की टीम उपविजेता रही। पूर्वी चम्पारण की खिलाड़ी सुप्रिया कुमारी ने एक स्वर्ण पदक, सृष्टि कुमारी ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक, प्रियांशु कुमारी ने एक रजत पदक, शौर्य कुमार ने एक रजत एवं एक कांस्य पदक तथा रितिक कुमार ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव डॉ. कौशल किशोर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ 24 पुरुष एवं 24 महिला साइकिलिस्टों का चयन किया गया है, जो सितंबर में बिहार ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित स्टेट गेम्स में भाग लेंगे। वहीं सभी आयु वर्गों के पदक विजेता खिलाड़ी दिसंबर में साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे।प्रतियोगिता के समापन पर अमनौर के विधायक कृष्ण कुमार मंटू, छपरा की विधायक छोटी कुमारी तथा छपरा के एडीएम प्रमोद कुमार पांडेय ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। दो दिवसीय चैंपियनशिप के सफल आयोजन में सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं सारण प्रशासन की टीम का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर सदर एसडीएम नितेश कुमार, मढ़ौरा एसडीएम निधि राज, साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ सारण के संरक्षक डॉ. सुरेश प्रसाद सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूर्वी चम्पारण के ओवरऑल चैंपियन बनने पर जिला साइकिलिंग संघ के अध्यक्ष इंजीनियर अशोक कुमार, संरक्षक रवि रंजन शर्मा, रत्नेश्वरी शर्मा, मुरारी पांडे, विनय सिंह, रविंद्र यादव, प्रो. करमात्मा पांडे, प्रो. संजीव सिंह, प्रो. पी. सिंह, शुभम कुमार, दीपक कश्यप, सचिन कुमार, पवन कुमार, सुधीर सिंह, विनय सिंह (गांधी संग्रहालय), रमेश कुमार उर्फ भोला जी, विनोद जायसवाल, अरुण कुमार सिंह, मुन्ना गिरी, नेहा कुमारी सहित जिले के खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूर्वी चम्पारण जिला साइकिलिंग संघ के सचिव डॉ. मनीष कुमार सिंह ने बताया कि सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को शीघ्र ही खेल भवन, मोतिहारी में सम्मानित किया जाएगा।

टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी से मिलेगी नई मजबूती

बीएनएम@ मोतिहारी

» रेड क्रॉस छह माह तक 150 टीबी मरीजों को देगा पोषण आहार, निक्षय मित्र बनने की अपील

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा पूर्वी चंपारण में सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) शैलेंद्र कुमार भारती ने की। बैठक में रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य सचिव, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन एवं सामान्य प्रशाखा के पदाधिकारियों के अलावा जिला यक्ष्मा केंद्र के अपर उपाधीक्षक सह सहायक अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (संचारी रोग/यक्ष्मा नियंत्रण) डॉ. संजीव, सदर अस्पताल के डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) कृष्ण मुरारी सिंह उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब सामाजिक संस्थाएं, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक सक्रिय रूप से अभियान से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि टीबी के सफल उपचार में दवाओं के साथ संतुलित पोषण, नियमित इलाज और सामाजिक सहयोग की भी अहम भूमिका है। उन्होंने सक्षम नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों की मदद करने की अपील की। बैठक में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से जिले के 150 टीबी मरीजों को लगातार छह माह तक प्रत्येक माह फूड बास्केट (पोषण आहार) उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा गया। कार्यकारिणी समिति ने इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। उम्मीद जताई गई कि इस पहल से मरीजों के पोषण स्तर में सुधार होगा और जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान को नई मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

गंडक पार के प्रखंडों में विद्युत सुदृढ़ीकरण की मांग

एमएलसी ने ऊर्जा विभाग से पूछे ठोस सवाल

बीएनएम@ बगहाः बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित भितहा, पिपरासी, मधुबनी एवं ठकराहा प्रखंडों में लंबे समय से जारी बिजली संकट का मामला अब बिहार विधान परिषद के 213वें मानसून सत्र में उठेगा। स्थानीय एमएलसी सौरभ कुमार ने ऊर्जा विभाग से संबंधित तारांकित प्रश्न लगाते हुए सरकार से इन क्षेत्रों में लो-वोल्टेज और अनियमित विद्युत आपूर्ति की गंभीर समस्या पर जवाब मांगा है।

प्रश्न में उल्लेख किया गया है कि इन क्षेत्रों की 90 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन पर्याप्त वोल्टेज न मिलने के कारण किसान सिंचाई उपकरणों का उपयोग करने में असमर्थ हैं। साथ ही, गंडक नदी में क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों की समय पर मरम्मत न होने को भी समस्या का मुख्य कारण बताया गया है। एमएलसी ने सरकार से इन प्रखंडों में विद्युत लाइनों के सुदृढ़ीकरण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदमों की मांग की है।

निगरानी समिति की बैठक में यूरिया की कालाबाजारी पर हंगामा

विक्रेताओं पर कार्रवाई का आश्वासन

बीएनएम@ बेतियाः बैरिया प्रखंड के ई-किसान भवन में सोमवार को आयोजित उर्वरक निगरानी समिति की बैठक यूरिया की कालाबाजारी को लेकर बेहद हंगामेदार रही। प्रखंड प्रमुख पप्पू राम की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में किसानों ने आरोप लगाया कि 266.50 रुपये की निर्धारित दर वाली यूरिया 400 से 700 रुपये प्रति बोरी बेची जा रही है। साथ ही, किसानों को जबरन नैनो यूरिया और कीटनाशक खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। माले नेता सुनील कुमार राव ने मनमानी बंद न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं, उर्वरक विक्रेताओं ने जिला स्तर से ही अधिक कीमत मिलने की मजबूरी बताई। प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुशील कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों पर अन्य उत्पाद थोपे न जाएं और यूरिया निर्धारित मूल्य पर ही बेची जाए। बैठक में बीडीओ पूजा कुमारी और नीरज कुमार उर्फ बबलू ने अधिक कीमत वसूलने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पवन सिंह पर अभद्र पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

बीएनएम@ गयाजी। भोजपुरी अभिनेता, गायक और एमएलसी पवन सिंह के परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना एक युवक को महंगा पड़ गया। आरा साइबर थाना पुलिस ने गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव निवासी सोनू यादव को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी सोनू यादव पर पवन सिंह, उनकी मां, बहन और पत्नी के लिए सोशल मीडिया पर बेहद अभद्र और मानहानिकारक बातें लिखने का आरोप है। परिजनों द्वारा भोजपुर साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल फॉरेंसिक के आधार पर आरोपी की पहचान की। आरा और आमस थाना पुलिस के संयुक्त अभियान में उसे उसके गांव से धर दबोचा गया।आमस थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को भोजपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है कि इस कृत्य के पीछे कोई साजिश है या इसमें अन्य लोग भी शामिल थे। यह मामला स्पष्ट करता है कि सोशल मीडिया पर मर्यादा लांघना और अभद्र टिप्पणी करना कानूनन गंभीर अपराध है।

प्रखंड स्तर पर स्वास्थ्य केंद्रों को मिली वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता

स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने की कवायद

बीएनएम@ समस्तीपुरः जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बड़ी पहल की है। जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य संस्थानों के प्रशासनिक और वित्तीय पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह निर्णय वर्ष 2006 से लंबित प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियों को दूर करने के लिए लिया गया है।अब खानपुर, विद्यापतिनगर, मोहनपुर और बिथान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा शिवाजीनगर, ताजपुर और पटोरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को व्यापक अधिकार दिए जा रहे हैं। उन्हें अपने प्रखंड के अंतर्गत आने वाले सभी अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य उपकेंद्रों के लिए 'आहरण एवं संवितरण पदाधिकारी' सहित प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार प्राप्त होंगे।प्रशासन का मानना है कि इस विकेंद्रीकरण से वित्तीय कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित होगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी। इससे प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी और जिले के आम नागरिकों को अब प्रखंड स्तर पर ही बेहतर, सुलभ और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। स्वास्थ्य व्यवस्था में यह बदलाव जनकेंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम है।

युवक का शव बरामद, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सेमरी मन गांव में मचा कोहराम, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम@ योगापट्टीः योगापट्टी योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर थाना क्षेत्र स्थित सेमरी मन गांव के जलाशय में 23 वर्षीय पप्पू राम का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पप्पू अपने परिवार का एकलौता पुत्र था। परिजनों के अनुसार, वह सुबह गांव के ही एक युवक के साथ निकला था, जिसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। दोपहर करीब दो बजे खोजबीन के दौरान परिजनों ने जलाशय में शव देखा और उसे बाहर निकाला। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी और दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर नवलपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और एसडीपीओ-2 रजनीश कांत प्रियदर्शी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

50 से 100 वर्षों पुराने प्रतिष्ठानों का सम्मान, मोतिहारी चैंबर की अर्द्धवार्षिक सभा संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

व्यापारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प, न्यायाधीश नितिन त्रिपाठी ने मध्यस्थता और निःशुल्क कानूनी सहायता की दी जानकारी

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की अर्द्धवार्षिक सभा सह वरिष्ठ व्यवसायी सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को बंजरिया स्थित एक निजी होटल के सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के सचिव सह न्यायाधीश नितिन त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चैंबर अध्यक्ष महेश सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी पांच महीनों में व्यापारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने पुलिस-व्यवसायी संवाद, चैंबर भवन निर्माण की दिशा में पहल तथा त्योहारी मौसम में व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु बनाने के लिए प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने की बात कही। महासचिव आलोक कुमार ने पिछले छह माह का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा ने आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा सभा के समक्ष रखा। समारोह में 50 से 100 वर्षों से व्यापारिक सेवा दे रहे प्रतिष्ठानों— मेसर्स गोवर्धन साह, प्रभात स्टोर, अमीर लाल विष्णु प्रसाद, संजय हार्डवेयर एवं किशुन राम— को वरिष्ठ व्यवसायी सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं, ड्रग इंटरनेशनल, शुभ लाभ कॉर्पोरेशन, भारत स्टील एंड ग्लास तथा माउंट लिट्रा स्कूल को चैंबर की सदस्यता प्रदान करते हुए प्रमाण-पत्र सौंपे गए। मुख्य अतिथि न्यायाधीश नितिन त्रिपाठी ने कहा कि छोटे-बड़े व्यापारिक विवादों का समाधान अदालत जाने से पहले मध्यस्थता, संवाद और आपसी सहमति से किया जा सकता है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता, मध्यस्थता प्रक्रिया, चेक बाउंस मामलों से जुड़े कानूनी प्रावधानों तथा व्यापारियों के अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने व्यापारियों से अधूरी जानकारी के आधार पर किसी के बहकावे में नहीं आने और किसी भी कानूनी मामले में विशेषज्ञ की सलाह लेने की अपील की। साथ ही ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल देते हुए चैंबर की पहल की सराहना की। सभा में निर्वर्तमान अध्यक्ष अंगद सिंह, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता एवं सुरेश चंद्र, उप सचिव विनय देवकुलियार, सुधीर अग्रवाल, अनुपम जायसवाल, संजय जायसवाल, डॉ. विवेक गौरव, संयोजक मनीष कुमार, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद सर्राफ, चंदू मिश्रा, डॉ. कमलेश कुमार, मेहुल लाल, सुधांशु रंजन, अनिल अग्रवाल, हेमंत कुमार, सुनील कुमार श्रीवास्तव, रवि केजरीवाल सहित विभिन्न व्यवसायी संगठनों एवं चैंबरों के प्रतिनिधि तथा शहर के अनेक प्रमुख व्यवसायी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष एवं संयोजक रवि कृष्ण लोहिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन महासचिव आलोक कुमार ने किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

हाई कोर्ट से राहत के बाद हरसिद्धि में प्रमुख के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ, 23 जुलाई को लेंगी चंदा कुमारी शपथ

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि प्रखंड की नवनिर्वाचित प्रमुख चंदा कुमारी के शपथ ग्रहण को लेकर लंबे समय से बना असमंजस अब समाप्त हो गया है। हाई कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने 23 जुलाई को शपथ ग्रहण कराने का आदेश जारी कर दिया है। इस फैसले के साथ ही प्रखंड की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 10 जून को अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) की अध्यक्षता में हरसिद्धि प्रखंड प्रमुख का चुनाव कराया गया था, जिसमें चंदा कुमारी सर्वसम्मति से प्रमुख निर्वाचित हुई थीं। हालांकि, चुनाव के तुरंत बाद हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश के कारण परिणाम की घोषणा और शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पर रोक लग गई थी। यह मामला तत्कालीन प्रमुख जानकी देवी को अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पद से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ था। जानकी देवी ने इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके कारण चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हुई। मामले की सुनवाई के बाद 15 जुलाई को हाई कोर्ट ने जानकी देवी की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद जिला पदाधिकारी ने शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी कराने का निर्देश जारी किया। अब 23 जुलाई को चंदा कुमारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। न्यायालय के फैसले के बाद चंदा कुमारी के समर्थकों में खुशी का माहौल है। समर्थकों ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीत बताया है। वहीं, प्रशासन ने शपथ ग्रहण समारोह को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

पताही के नए प्रभारी बीईओ बने शंकर कुमार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बताया पहली प्राथमिकता

बीएनएम@ पताही

प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) पताही में सोमवार को शंकर कुमार ने प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर एवं जिला महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने डायरी और कलम भेंट कर नए प्रभारी बीईओ का अभिनंदन किया। पदभार ग्रहण करने के बाद शंकर कुमार ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता प्रखंड के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने शिक्षकों से अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विद्यालय निर्धारित समय पर खुलें और बंद हों, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम में करुणेश कुमार सिंह, शिलानाथ झा, शशिकांत झा, मो. अशफाक आलम, सचिन कुमार, रविरंजन कुमार, रामएकबाल प्रसाद, अरविंद कुमार, विनोद कुमार सोनू, मो. शौकत अली, कमलेश्वर कुमार सिंह, अभिमन्यु चंद्रवंशी, शैलेश कुमार उर्फ पप्पू सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नए प्रभारी बीईओ के पदभार ग्रहण करने से प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वृद्ध की मौत के बाद हरकत में स्वास्थ्य विभागः पताही सीएचसी की जांच, एक्सपायर दवाओं का मामला फिर सुर्खियों में

बीएनएम@ पताही

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पताही में बीते दिनों एक वृद्ध की मौत के बाद परिजनों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग की तीन सदस्यीय जांच टीम सोमवार को अस्पताल पहुंची। टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए घटना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जांच की। जांच टीम में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा, डीपीसी भारत भूषण तथा स्वास्थ्य विभाग के एक अन्य अधिकारी शामिल थे। अधिकारियों ने अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार, जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) वार्ड और इमरजेंसी कक्ष का निरीक्षण किया। इसके अलावा ड्यूटी व्यवस्था, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं तथा संबंधित अभिलेखों की भी जांच की गई। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इलाज के दौरान एक वृद्ध की मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा था कि घटना के समय मुख्य गेट बंद था, जेई वार्ड में ताला लगा था और मरीज को समय पर ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं कराई गई। इस आरोप को लेकर अस्पताल परिसर में हंगामा भी हुआ था। इसी घटना की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल पहुंचकर संबंधित स्थानों का निरीक्षण किया और चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों से जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट तैयार कर वरीय अधिकारियों को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक्सपायर जीवन रक्षक दवाओं का मामला फिर चर्चा में- वृद्ध की मौत की घटना के बीच करीब छह माह पहले पताही सीएचसी में लाखों रुपये मूल्य की जीवन रक्षक दवाएं एक्सपायर मिलने का मामला भी एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस मामले का खुलासा सबसे पहले बॉर्डर न्यूज़ मिरर ने किया था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच कराई थी। हालांकि, अब तक इस मामले में किसी ठोस कार्रवाई की सार्वजनिक जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे स्थानीय लोगों में सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान घटना की जांच के साथ-साथ एक्सपायर दवाओं के मामले में भी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, कुछ लोगों का दावा है कि वृद्ध की मौत हार्ट अटैक से हुई थी और इस घटना को अधिक तूल दिए जाने से पहले वाले मामले से ध्यान भटकने की आशंका है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि स्वास्थ्य विभाग केवल वृद्ध की मौत के मामले की जांच तक सीमित रहता है या फिर लाखों रुपये की एक्सपायर जीवन रक्षक दवाओं के मामले में भी जिम्मेदारों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करता है।

छात्र-युवा आंदोलन के समर्थन में उतरी भाकपा

» बेतिया में निकाला गया विरोध मार्च

बीएनएम@ बेतिया

सोमवार को बेतिया में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) जिला परिषद के बैनर तले केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। पार्टी कार्यालय से निकली रैली ईमली चौक पहुंची, जहाँ कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग उठाई। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शिक्षा, लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है, साथ ही छात्र, युवा, किसान और मजदूर वर्ग की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों पर हो रहे हमलों का विरोध जारी रखने और छात्र-युवा आंदोलनों के साथ मजबूती से खड़े रहने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति, राधामोहन यादव, चन्द्रिका प्रसाद, बाबूलाल चौरसिया और अन्य नेताओं ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

27 हजार रुपये रिश्वत लेते पटना के थानाध्यक्ष रंगे हाथ गिरफ्तार, निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम@ पटना

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (वीआईबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पटना जिले के साम्यागढ़ थाना के थानाध्यक्ष सौरभ कुमार को 27 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी सोमवार को साम्यागढ़ थाना परिसर से की गई। निगरानी थाना कांड संख्या 085/26 (दिनांक 17 जुलाई 2026) में दर्ज मामले के अनुसार, प्रहलादपुर निवासी मनोज कुमार ने शिकायत की थी कि थानाध्यक्ष क्षेत्र में जेसीबी चलाने के एवज में साप्ताहिक रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने मामले का सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर वरीय पुलिस उपाधीक्षक अरुणोदय पाण्डेय के नेतृत्व में विशेष धावादल का गठन किया गया। सोमवार को जाल बिछाकर की गई कार्रवाई में टीम ने थानाध्यक्ष सौरभ कुमार को 27 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए साम्यागढ़ थाना परिसर से रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उन्हें विशेष न्यायालय (निगरानी), पटना में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2026 में यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध दर्ज 85वां मामला और ट्रैप कार्रवाई का 79वां कांड है। अब तक 79 अभियुक्तों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया जा चुका है तथा 29,14,800 रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई है। ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में 101 ट्रैप कांड दर्ज किए गए थे, जिनमें 37,80,300 रुपये रिश्वत की राशि बरामद हुई थी। निगरानी ब्यूरो ने कहा कि बिहार सरकार की 'जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट करप्शन' नीति के तहत भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

जिला के 71 पंचायतों में आज लगेगा पांचवें चरण का सहयोग शिविर, डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

23 प्रखंडों में आयोजित होंगे शिविर, टोल फ्री 1100 और पोर्टल के माध्यम से भी दर्ज होगी शिकायतें

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के शेष बचे 23 प्रखंडों के 71 पंचायतों में आज 21 जुलाई 2026, मंगलवार को पांचवें चरण के सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के सफल संचालन को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।जिलाधिकारी ने कहा कि सभी नामित नोडल पदाधिकारी अपने आवंटित प्रखंड एवं पंचायतों में प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर शिविर का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने पंचायत स्तर तक के अधिकारियों को अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने तथा प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया है। बिहार सरकार के निर्देश पर पंचायत स्तर पर आयोजित सहयोग शिविर का उद्देश्य आम लोगों को उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों को सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर उपलब्ध कराना तथा उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।शिविर से संबंधित जानकारी के लिए आमजन टोल फ्री नंबर 1100 पर सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। वहीं sahyog.bihar.gov.in पोर्टल पर भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध है। दर्ज शिकायतों के निष्पादन की समय-सीमा 30 दिन निर्धारित की गई है। जिले के आदापुर, छौरादानो, रामगढ़वा, रक्सौल, बनकटवा, चिरैया, ढाका, घोड़ासहन, मधुबन, पताही, बंजरिया, कोटवा, मोतिहारी, सुगौली, तुरकौलिया, चकिया, कल्याणपुर, केसरिया, मेहसी, अरेराज, हरसिद्धि, पहाड़पुर एवं संग्रामपुर प्रखंडों के कुल 71 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक प्रखंड के लिए संबंधित वरीय अधिकारियों को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। जिला प्रशासन ने बताया कि फेनहारा, पिपराकोठी, तेतरिया तथा पकड़ीदयाल प्रखंडों के सभी पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन पूर्व में ही सफलतापूर्वक कराया जा चुका है। अब शेष पंचायतों में पांचवें चरण का शिविर आयोजित कर आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

ग्राम सभा की बैठकों में लोगों की घटती मौजूदगी

अध्ययन के दौरान 26 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 400 ग्राम पंचायतों में करीब 7,800 लोगों के बीच सर्वेक्षण हुआ। उससे सामने आया कि ग्राम सभा की बैठकों में लोगों की मौजूदगी घटती चली गई है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट का सार है कि ग्रामीण इलाकों में पंचायती राज व्यवस्था नाकाम होने के कगार पर है। रिपोर्ट- राज्य/ केंद्र शासित प्रदेशों में ग्राम सभाओं में निम्न भागीदारी- शीर्षक से जारी हुई है। कहा गया है कि यह अध्ययन स्थानीय स्व-शासन पर देश के सबसे बड़े जमीनी आकलनों में से एक है। इसके तहत 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 400 ग्राम पंचायतों में करीब 7,800 लोगों के बीच सर्वेक्षण किया गया। इससे सामने आया कि ग्राम सभा की बैठकों लोगों की मौजूदगी लगातार घटती चली गई है। आधे से ज्यादा लोगों ने कहा कि बैठकों में शामिल न होने की वजह रोजगार और कमाई से जुड़ी हैं। कामकाजी वर्ग के लिए काम-धंधा छोड़कर बैठक में आना कठिन होता है। फिर बैठकों में स्थानीय रसूखदार लोगों का ही दबदबा बना रहता है। रिपोर्ट में जिक्र है कि ग्राम सभाएं स्थानीय मुद्दों की पहचान करने में लगभग 13 प्रतिशत समय लगाती हैं, लेकिन राजस्व बढ़ाने के उपायों पर केवल चार फीसदी समय खर्च करती हैं। चूंकि केंद्रीय अनुदान से मिलने वाला पैसा काफी हद तक पहले से तय केंद्रीय प्राथमिकताओं (जैसे जल जीवन मिशन) से जुड़ा होता है, इसलिए स्थानीय जरूरतों के मुताबिक योजना पर अमल लगभग नामुमकिन ही बना रहता है। इस रूप में पंचायती राज संस्थाएं केंद्र और राज्य सरकारों की एजेंसी बन कर रह गई हैं। जबकि 73वें और 74वें संविधान में परिकल्पना उन्हें शासन के तीसरे स्तर के रूप में स्थापित करने की गई थी। वैसे, यह आरंभ में ही स्पष्ट हो गया था कि पंचायती संस्थाओं के लिए वित्त आयोग से तय अपना बजट और अपनी नौकरशाही नहीं होगी, तो उनका यही हाल होगा। फिर भी इस ओर कोई पहल नहीं हुई। इस सिलसिले में अक्सर उल्लेख होता है कि अमेरिका जैसी पूंजीवादी और चीन जैसी समाजवादी व्यवस्थाओं में एकमात्र समानता शासन का कारगर विकेंद्रीकरण है। दोनों जगहों पर इस नीति के सकारात्मक परिणाम जग-जाहिर हैं। मगर भारत में केंद्र हो या राज्य, अपने अधिकार क्षेत्र में कटौती के लिए तैयार नहीं हैं। नतीजा, ताजा रिपोर्ट में शामिल विलाप है।

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशनः कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरू होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिकड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनानाः भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है। यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं, जहां कृषि मशीनें, औजार और उपकरण उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसान किराए पर ले सकते हैं। यह योजना उच्च-प्रौद्योगिकी और महंगे कृषि उपकरणों के लिए हब स्थापित करने तथा कृषि मशीनरी के वितरण में भी सहायता प्रदान करती है। इसके तहत प्रदर्शन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर और कृषि शक्ति अपेक्षाकृत कम है। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से सस्ती किराया सेवाएं उपलब्ध कराकर छोटे जोत आकार और अधिक लागत जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा, कृषि मशीनीकरण पर सब-मिशन के तहत कृषि मशीनरी के प्रदर्शन परीक्षण और प्रमाणन को भी सहायता प्रदान की जाती है। इससे जुड़े हितधारकों के बीच इनका उपयोग बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं। वर्ष 2007 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना राज्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता और अधिकार प्रदान करती है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि मशीनीकरण तथा मूल्य संवर्धन जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। वर्ष 2017-18 में इस योजना का पुनर्गठन कर इसे आरकेवीवाई-रफ्तार (कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण) के रूप में लागू किया गया, जिसमें फसल-पूर्व और फसलोपरांत बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एसएमएएम के रणनीतिक स्तंभ : कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर बनाकर, श्रम की आवश्यकता कम करके और खेती की उत्पादकता बढ़ाकर समावेशी तथा कुशल कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रदर्शन व फसल कटाई के बाद के कामों में मशीनीकरण को बढ़ावा देनाः आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है। खेती-बाड़ी के यंत्रों और उपकरणों की खरीद के लिए आर्थिक मददः यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से कृषि मशीनों के व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। इसके तहत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों को कृषि मशीन की लागत का 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, छोटे और सीमांत किसानों तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लाभार्थियों को 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, छोटे एवं सीमांत किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर, स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ड्रोन सहित मशीनीकृत कृषि सेवाओं के उपयोग के लिए प्रति हेक्टेयर 2,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। किराये पर मशीनें देने के लिए 'फार्म मशीनरी बैंक' (एफएमबी) बनानाः यह योजना एसएचजी, एफपीओ और स्थानीय संस्थाओं को कृषि मशीनें खरीदने के लिए 80 से 90 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान कर कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देती है। सीएचसी की स्थापना के लिए 250 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर कुल लागत का 40 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि एफएमबी की स्थापना के लिए 30 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। हाई-टेक और ज्यादा उत्पादकता वाले इक्विपमेंट हब बनानाः कार्यकुशलता बढ़ाने तथा महंगी और उन्नत कृषि मशीनों तक किसानों की पहुंच आसान बनाने के लिए फसल-विशिष्ट कार्यों हेतु उन्नत एवं उच्च क्षमता वाली कृषि मशीनरी से सुसज्जित केंद्रों की स्थापना करना सुनिश्चित किया गया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देनाः पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता प्रदान की जाती है। इसके तहत लघु कृषि मशीनों पर 100 प्रतिशत तक की सब्सिडी तथा फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना के लिए 95 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

खेती में मशीनीकरण को बढ़ावाः एसएमएएम की वित्तीय रीढ़ः एसएमएएम के तहत वर्ष 2014-15 से 2025-26 तक 9,404.47 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा, योजना के अंतर्गत 27,554 कस्टम हायरिंग सेंटर, 646 हाई-टेक हब तथा 25,608 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित करने में सहायता प्रदान की गई। योजना के तहत कृषि मशीनों के व्यक्तिगत स्वामित्व वाले लाभार्थियों की संख्या वर्ष 2020-21 में 2.07 लाख से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 2.32 लाख हो गई, जो कृषि मशीनीकरण के विस्तार और योजना की बढ़ती पहुंच को दर्शाती है। यह योजना केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लागत-साझाकरण की व्यवस्था पर आधारित है।

अधिकांश राज्यों के लिए केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय भागीदारी का अनुपात 60:40 है, जबकि पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिए यह 90:10 निर्धारित किया गया है। केंद्र शासित प्रदेशों को 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है। वित्तपोषण की यह व्यवस्था विभिन्न क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि यांत्रिकीकरण को व्यापक स्तर पर अपनाने में सहायक है।

राम को समझो, कृष्ण को जानो

हरिशंकर व्यास

मैंने वह समय देखा है जब चौधरी चरण सिंह ने ‘असली भारतÓ की बात करते हुए प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। फिर वह भी समय जब हिंदू भारत की हवाबाजी में नरेंद्र मोदी ने शपथ ली। दोनों समय का कुल परिणाम क्या? मोटामोटी राम-राम सा बोलने वाले आम हिंदुओं से धोखा। कथित असली भारत का किसान आज भी बेचारा है। वही राम के नाम पर संघ, भाजपा और नरेंद्र मोदी को जिताने वाला हिंदू अपने धर्म की ऐसी-तैसी होते देख रहा है! बिचारें 1990 की राम रथ यात्रा से 2026 में राम मंदिर के कुल 36 साला इतिहास पर? गांव-गांव से शिला-चंदा एकत्र करने से ट्रस्टियों की चढ़ावा चोरी के कथित सांस्कृतिक पुनर्जागरण वाले मौजूदा हिंदू राष्ट्रवाद पर?

इतिहास में गजनवी मंदिरों को लूटने के लिए बार-बार भारत आता था। वही हिंदुस्तान अब बतौर हिंदू राष्ट्र मंदिरों को लूटने यानी चढ़ावा खाने की आधुनिक व्यवस्थाएं लिए हुए है। क्या मैं गलत हूं? क्या यह विचित्र हिंदू भारत नहीं है? वह भारत जिसमें संवेदना, शर्म, जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व कोई नहीं है। सभी आंख-नाक-कान बंद किए ठूंठ भाव, ठूंठ हिंदू राष्ट्र बना बैठे हैं। मैंने गुरुवार को एक टीवी चैनल पर विरोधी नेता अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता अजय राय की आलोचनाओं, विरोध के जवाब में भगवाधारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कहे वाक्य सुने। पहली बात, उनके चेहरे पर रत्ती भर शर्म, ग्लानि, खेद नहीं था। उन्होंने प्रभु राम की मर्यादा के हवाले कहा, हमने मर्यादा का पालन किया! ये लोग (अखिलेश, कांग्रेस) लाठी-गोली चलाते थे। इनके दोगले चरित्र को देखोज् वे लोग कह रहे हैं कि अयोध्या में राम भक्तों का अपमान हो गया। क्या तब अपमान नहीं हो रहा था?.. ये लोग नहीं चाहेंगे कि अयोध्या का नाम हो!

पता नहीं आदित्यनाथ ने गोरख परंपरा में योगी, पीठाधीश्वर/संरक्षक, महंत, संत के कर्तव्य, भूमिका को पढ़ा है या नहीं? इसमें लिखा है कि देवस्थान की रक्षा, दान-संपत्ति का संरक्षण, मठ की प्रतिष्ठा की रक्षा नाथ परंपरा का परम धर्म है। और ध्यान रहे, बतौर मुख्यमंत्री भी आदित्यनाथ का जिम्मा अलग है। उस नाते उनकी नाक के नीचे भक्तों द्वारा दिए गए दान और मंदिर की आय का उपयोग

धर्मार्थ व संस्थागत उद्देश्यों के लिए होना था या चोरी का माल बनना था? क्यों तब वे जांच, एसआईटी की बात कर रहे हैं? जब अपने राज की परंपरा में उन्होने सीधे एनकाउंटर, बुलडोजर का रामराज्य बनाया है तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव, ट्रस्ट पदाधिकारियों के लिए एसआईटी क्यों, उनके सीधे एनकाउंटर का उनका बनाया राजधर्म कहां गया? ईमानदारी से सोचें, अयोध्या में संघ के स्वयंसेवकों के ट्रस्ट की देखरेख में चढ़ावे की चोरी से भयावह राम के नाम की बदनामी दूसरी क्या है? बाबर ने तो मंदिर ढहाया था, चंपत राय एंड पार्टी ने हिंदू की उस आस्था, गर्व पर बुलडोजर चलाया है, जिसमें राम के जन्मस्थान मंदिर में, कथित हिंदू राष्ट्र के कथित रामराज्य में चढ़ावे की चोरी का एक अकल्पनीय अपराध हुआ है। इसलिए सवाल है, गोरख संप्रदाय के एक महंत के मुख्यमंत्रीकाल में, आरएसएस के प्रचारकों के ट्रस्ट की व्यवस्थाओं में चोरी की यह बदनामी किस भारत का प्रतीक है? मेरा मानना है कि कबीरदास का यह दोहा आज के हिंदू भारत के इस नए अर्थ का वाहक हैः राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट। अंत काल पछताएगा, प्राण जाएंगे छूट। अर्थात राम नाम से हिंदुओं को उल्लू बनाकर मोतियों का खजाना पाया है तो शर्म छोड़ो, संवेदनशीलता, शालीनता, मर्यादा, बुद्धि, सत्य सभी त्यागो और जितना हो सके हिंदुओं की आस्था, भरोसे को लूटो। सत्ता के इस अमूल्य अवसर को छोड़ो नहीं। क्योंकि समय खत्म होगा तो पछतावे के अलावा कुछ नहीं होगा। तभी हिंदुओं के कलियुग का यह वह मौजूदा हिंदू भारत है, जिसे दो-ढाई हजार साल के ज्ञात भारत इतिहास में खोजें तो मालूम होगा कि हिंदुओं के साथ ऐसा तो पहले कभी नहीं हुआ। दूसरे धर्मों ने जरूर उसे लूटा, पर हिंदू हमेशा अपने धर्म के सनातन सदाचार में जीता रहा। न कभी उसकी मार्केटिंग की, न उसे बेचा, न पंडितों में मंदिर के लिए दान, चढ़ावे को संगठित रूप से लूटने की धोखाधड़ी हुई। न ही आस्था-विश्वास से धोखा कर राजनीति और सत्ता पाने का इतिहास रचा। तभी आज चढ़ावा खाने-खिलाने का दानखोर नया भारत है तो दूसरी तरफ हमेशा की तरह वह सनातनी भारत भी है, जो गुजरे जमाने के इस गाने को याद कराता है, ‘राम का नाम बदनाम न करो। राम को समझो, कृष्ण को जानो। राम ने हंसकर सब सुख त्यागे, कृष्ण ने कर्म की रीत सिखाईज् तुमने फ़ज़र् से आंख चुराईज् राम का नाम बदनाम न करो। नींद से जागो ओ मस्तानों। राम को समझो, कृष्ण को जानोÓ।

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

विनोद कुमार विक्की

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है। मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिज़ाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाज़ार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है। यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाज़े खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है। वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है। हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार PSLV-C37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है। इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे। अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज़ क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेज़ी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाज़ार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी। आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव—ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है। निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा।

मेष राशिः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं। आज किसी करीबी मित्र से मुलाकात सुखद और सुकून देने वाली रहेगी।

मिथुन राशि : आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है। आज अविवाहित जातकों के लिए विवाह का प्रपोजल आ सकता है।

कर्क राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि : आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है। ससुराल पक्ष से आज शुभ समाचार मिलने का योग नजर आ रहा है।

कन्या राशि : आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है। शुभ अंक- 7

तुला राशि : आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा। आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते है जिससे आज आप कुछ नया क्रिएटिव करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इक्_ करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा जिससे खुश होकर बॉस आपका प्रमोशन कर सकते हैं।

धनु राशि : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। मशीनरी आदि से जुड़े कारोबार कर रहे लोग आज लाभदायक स्थिति में रहेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं, अपने काम को सावधानी और ईमानदारी से करें।

कुंभ राशि : आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। स्टूडेंट को अपनी पढ़ाई में बेहतर परिणाम पाने के लिए अपने टाइम-टेबल में बदलाव करने की जरूरत है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बितेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com **वेबसाइटः-**bordernewsmirror.com (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार**) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

स्पेन ने 16 साल बाद फीफा विश्वकप जीता, टोरेस के गोल से मेसी का सपना टूटा

एजेंसी, न्यूजर्सी

फेरान टोरेस के शानदार गोल के साथ ही स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर 16 साल के बाद एक बार फिर फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीता है। इस मैच में स्पेन की जीत के साथ ही अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। स्पेन की जीत में टोरेस की सबसे अहम भूमिका रही हालांकि ये गोल अकेले टोरेस ने नहीं किया बल्कि यह टीम के दो शीर्ष खिलाड़ियों और दो स्थानापन्न खिलाड़ियों की सहायता के कारण संभव हुआ। जिसकी नींव मैच के महत्वपूर्ण मोड़ पर रखी गई। मैच जब अपने चरम पर था तभी अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अर्जेंटीना को बड़ा झटका लगा। 93वें मिनट में एंजो फर्नांडिस को दूसरा पीला कार्ड दिखाये जाने के कारण मैदान से बाहर कर दिया गया। जिससे अर्जेंटीना की टीम को दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। स्पेन ने इसका पूरा लाभ का पूरा उठाया और गोल दागने की रणनीति को अंजाम दिया। इसके बाद जब स्टार खिलाड़ी लामिन यमाल ने दाहिने विंग से गेंद को बड़ी कुशलता से लेकर उसे पेड्रो पोरो की ओर बढ़ाया। पोरो का दाहिने पैर से लगाया गया क्रॉस भले ही थोड़ा बाहर की ओर जा रहा था, लेकिन तभी 75वें मिनट में मैदान पर आए सब्स्टीट्यूट निको विलियम्स ने एक शानदार हेडर से गेंद को दिशा दी और उसे फेरान टोरेस के कदमों में पहुंचा दिया। एक और सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए टोरेस ने बिना कोई समय गंवाए, अपने बाएं पैर से गेंद को गोल पोस्ट की तरफ धकेला। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्तिनेज के पास इसे रोकने का कोई मौका नहीं था और इस प्रकार 106वें मिनट में किये इस गोल से स्पेन ने 1-0 की बढ़त लेने के साथ ही अर्जेंटीनाई प्रशंसकों को सदमे में डाल दिया।

इसके बाद ये बढ़त अंत तक बनी रही। गोल दागने के बाद, जीत के हीरो टोरेस ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, यह 47 मिलियन लोगों द्वारा किया गया गोल था। मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने अपनी पिछली आलोचनाओं को याद करते हुए कहा, विश्व कप में मेरी काफी आलोचना हुई थी पर शायद यह गोल मेरी किस्मत में था। जो अधिकारी होते हैं और भरोसा रखते हैं, भगवान उनकी झोली भर देता है। यह गोल वास्तव में एक खिलाड़ी के धैर्य और दृढ़ विश्वास का प्रतीक बन गया।इस जीत के साथ, रोड्री की कप्तानी वाली स्पेनिश टीम ने 16 साल के अपने खिताबी सूखे को समाप्त किया।

भारतीय क्रिकेट में अच्छी बेंच स्ट्रेंथ से टीम चयन हुआ बेहद कठिन : दिनेश कार्तिक

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के अनुसार भारतीय क्रिकेट में लगातार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। इसी कारण चयनकर्ताओं के लिए अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम चयन कठिन हो गया है। कार्तिक के अनुसार अभी के समय में भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ सबसे अधिक है। इससे टीम में शामिल हर खिलाड़ी पर अपनी जगह बनाए रखने का भारी दबाव है। कार्तिक ने कहा कि साल 2027 एकदिवसीय के लिए उन्हीं खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जो लगातार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि टीम प्रबंधन को वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य के संबंध में स्पष्ट संवाद स्थापित करना होगा, ताकि सशंय की भावन दूर ओ और खिलाड़ी मानसिक रूप से हर स्थित के लिए तैयार रहें। एक कार्यक्रम में कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट की वर्तमान स्थिति को लेकर कहा कहा, इस समय भारत एक ऐसी अनोखी स्थिति में है, जहां कोई अन्य क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है। हमारी टीम के हर स्थान के लिए कई मजबूत विकल्प उपलब्ध हैं। यही कारण है कि आज भारत के लिए खेलना पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण और मुश्किल हो गया है, क्योंकि प्रत्येक खिलाड़ी के कई विकल्प उपलब्ध हैं ऐसे में किसी भी खिलाड़ी को अपनी जगह बचाने का निरंतर दबाव महसूस होता है। यह टिप्पणी भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य और साथ ही खिलाड़ियों के सामने आने वाली मनोवैज्ञानिक चुनौती दोनों को दर्शाती है, जहाँ प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है। कार्तिक ने कहा कि चयनकर्ताओं के सामने भी काफी कठिन स्थिति है। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के लिए फैसला लेना कितना कठिन होता है ये समझा जा सकता है। अगर आप अजित अगरकर की कुर्सी पर बैठे हों, तो यह आसान फैसला नहीं होता। आपको यह तय करना होता है कि मौजूदा सुपरस्टार को मौका दिया जाए या उस युवा खिलाड़ी पर भरोसा किया जाए जो आने वाले वर्षों में एक सुपरस्टार बन सकता है।, कार्तिक ने कहा। युवा खिलाड़ियों का लगातार शानदार प्रदर्शन उन्हें टीम से बाहर रखना कठिन बना देता है, जिससे चयनकर्ताओं को अनुभवी और युवा प्रतिभा के बीच एक संतुलन बनाना पड़ता है।

सिंधु लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत के लिए पदक की बड़ी दावेदार होगी : गोपीचंद

एजेंसी, हैदराबाद

भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा है कि पीवी सिंधु 2028 लास एंजिल्स खेलों में देश के लिए पदक की एक बड़ी दावेदार रहेंगी। गोपीचंद के अनुसार दो बार ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने जिस प्रकार से जापान ओपन जीत है। उससे साफ है कि वह लय में आ गयी हैं और अब 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक में उनकी नजरें स्वर्ण पदक पर रहेंगी। गोपीचंद के अनुसार जापान में सिंधु ने शीर्ष स्तर की खिलाड़ियों के खिलाफ काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ऐसे में वह ओलंपिक में अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेंगी। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से जुड़े एक कार्यक्रम में गोपीचंद ने कहा कि सिंधु निश्चित रूप से ओलंपिक पदक की एक मजबूत दावेदार हैं। उन्होंने उनमें चेन यूफेई और हान यूए जैसी दिग्गजों को हराने की पूरी क्षमता है। गोपीचंद के अनुसार, कई खिलाड़ी अभी भी सिंधु की खेल शैली को पूरी तरह से समझ नहीं पायी हैं जिसका भी लाभ उन्हें मिलेगा। भारतीय दल की अन्य उम्मीदों पर प्रकाश डालते हुए गोपीचंद ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी किसी भी दिन खिताब जीतने का दम रखती है। उन्होंने बताया कि सात्विक फिलहाल कंधे की चोट से उबर रहे हैं और उम्मीद है कि वह विश्व चैंपियनशिप तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। इसी चोट के कारण वे अगले सप्ताह होने वाले चाइना ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके अतिरिक्त, कोच ने युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी की भी जमकर प्रशंसा की और स्वीकार किया कि पुरुष एकल वर्ग में प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी है, फिर भी इन युवा प्रतिभाओं से काफी उम्मीदें हैं।

फीफा विश्व कप 2026: कई अनजान खिलाड़ी भी छाये रहे

एजेंसी, टोरंटो

फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेंसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा। इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ गेंद पर नियंत्रण के लिए हवा में छलांग लगाई, जिसके परिणामस्वरूप मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह दिखाता है कि कैसे रक्षात्मक कौशल भी मैच का रुख बदल सकता है। इसी तरह, बोस्निया और हर्जेगोविना के जोवो लुकिच ने कनाडा के खिलाफ शुरुआती मैच में अपने देश के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल करके सबको हैरान कर दिया। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण मिले इस अवसर को उन्होंने बखूबी भुनाया।

न्यूजीलैंड के एलिजा जस्ट भी विशेष खिलाड़ियों में शामिल रहे। ईरान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में उन्होंने दो शानदार गोल दागकर अपनी टीम के लिए यह मुकाबला यादगार बना दिया। उनके प्रदर्शन ने न्यूजीलैंड के फुटबॉल प्रेमियों को जश्न मनाने का मौका दिया। मिस्र के इमाम अशूर ने भी बेल्जियम जैसी दिग्गज यूरोपीय टीम के खिलाफ विश्व कप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

बिजनेस

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल की कीमत में उबाल, 90 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से कच्चे तेल की आवाजाही एक बार फिर पूरी तरह से ठप पड़ जाने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है। ब्रेंट क्रूड आज 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर पिछले डेढ़ महीने के सबसे ऊंचे स्तर 90.73 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 2.60 डॉलर प्रति बैरल की उछाल के साथ 90.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद कुछ देर के लिए इसकी कीमत 90 डॉलर के स्तर से नीचे लुढ़क कर 89.91 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंची, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये दोबारा 90 डॉलर के स्तर को पार कर 90.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.48 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.58 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने 2.14 डॉलर प्रति बैरल की बढ़त के साथ 84.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में डब्ल्यूटीआई क्रूड कुछ देर के लिए फिसल कर 83.61 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। थोड़ी देर बाद ही इसकी चाल में तेजी आ गई। इस तेजी की वजह डब्ल्यूटीआई क्रूड थोड़ी देर बाद ही 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 85.39 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 84.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ाने की आशंका बन गई है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एक्जेक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि अमेरिका और ईरान द्वारा जिस तरह से युद्ध को तेज कर रहे हैं, उससे पश्चिम एशिया में शांति की संभावनाएं काफी क्षीण हो गई हैं। इस जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई पूरी तरह से ठप पड़ गई है। भंसाली का कहना है कि क्रूड ऑयल की ग्लोबल सप्लाई का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज के रास्ते से ही निकलता है। खासकर, खाड़ी के देश से होने वाले कच्चे तेल की सप्लाई का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। अमेरिका और ईरान की तनातनी की वजह से होर्मुज स्ट्रेट का रास्ता बाधित हो गया है, जिसके कारण दुनिया में एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसी आशंका की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। अनिल भंसाली का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारत जैसे कच्चे तेल के आयातक देश के लिए चिंता की एक बड़ी वजह बन सकती है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल सांकेतिक तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। पश्चिम एशिया में जंग तेज होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में जोरदार तेजी आ गई है, जिससे एक बार फिर महंगाई बढ़ने की आशंका बन गई है। इस आशंका के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 406.55 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,146.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 76.08 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,457.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

लोहिया कॉर्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ का आईपीओ

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है। लोहिया कॉर्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी गिरावट आई। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 212.16 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में घट कर 152.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2024-25 में ये 358.14 करोड़ रुपये स्तर पर था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 519.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण घरेलू बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल लगातार कमजोर होती चली गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से ट्रेंट लिमिटेड, ओएनजीसी, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और सिप्ला के शेयर 2.30 प्रतिशत से लेकर 1.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा, इंटरग्लोब एविएशन और मारुति सुजुकी के शेयर 5.34 प्रतिशत से लेकर 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,742 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,457 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,285 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला गल्फ लॉयड्स का आईपीओ, 27 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

विभिन्न उद्योगों के लिए थर्ड पार्टी ऑडिटिंग, इंस्पेक्शन, सर्टिफिकेशन और ट्रेनिंग की सर्विस देने वाली कंपनी गल्फ लॉयड्स (इंडिया) लिमिटेड का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद पहले दिन दोपहर 12:45 बजे तक ये आईपीओ 2.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। खासकर, रिटेल इंवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में ये इश्यू 4.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,19,200 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 1.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

निमरत कौर जीवन के व्यस्त पलों का उठा रही आनंद, वीडियो शेयर

हाल ही में इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री निमरत कौर ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने पेशेवर जिम्मेदारियों, यात्राओं और निजी जीवन के व्यस्त पलों का आनंद लेती हुई दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो क्लिप में निमरत को जिम में कड़ी मेहनत करते, पेशेवर फोटोशूट के लिए शानदार पोज़ देते और अपनी दिनचर्या के कई अन्य महत्वपूर्ण पलों को जीते हुए कैद किया गया है। वीडियो साझा करते हुए निमरत कौर ने लिखा, अब तक का मेरा आधा सालः जनवरी, यात्रा, काम, खाना, हीटवेव, एक और हीटवेव, जुलाई, दोहराओ। यह कैप्शन उनके साल की पहली छमाही की गतिविधियों का संक्षिप्त लेकिन सटीक वर्णन करता है। निमरत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं की झलकियां अपने प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म एयरलिफ्ट से अपनी पहचान बनाने वाली निमरत कौर ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में अपनी वापसी की है। इस पॉपुलर सीरीज में मनोज बाजपेयी ने एक मिडिल-क्लास आदमी श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया है, जो इंटेलिजेंस ऑफिसर के तौर पर दोहरी जिंदगी जीता है। इस सीजन में मनोज बाजपेयी (श्रीकांत तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), प्रियामणि (सुचित्रा), और निमरत कौर अपने पुराने और दमदार किरदारों में वापस लौटे हैं। इसके अलावा जाने-माने अभिनेता जयदीप अहलावत ने इसमें एक खूंखार विलेन रुक्मा का शानदार किरदार निभाया है, जिससे सीरीज की रोमांचकता और बढ़ गई है। अभिनय के मोर्चे पर व्यस्तता के साथ ही निमरत जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म सेक्शन 84 में भी नजर आएंगी। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लिखित इस फिल्म में वह बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं। इस फिल्म में निमरत के किरदार का नाम ज़ोया है, और इसमें डायना पेंटी, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, और अब दर्शकों को इसके रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

पल्लीचट्टम्बी की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 24 जुलाई से सोनी लिव पर देख सकेंगे टोविनो थॉमस की ये फिल्म

मलयालम सिनेमा के जाने-माने एक्टर टोविनो थॉमस की फिल्म पल्लीचट्टम्बी 15 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस पीरियड एक्शन-थ्रिलर फिल्म से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. वहीं फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फाइनली अब ये फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है. चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म किस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कब और कहां रिलीज होगी.

पल्लीचट्टम्बी का प्रीमियर 24 जुलाई 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने वाला है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी अनाउंसमेंट की है. डिजो जोस एंटनी के डायरेक्शन में बनी फिल्म पल्लीचट्टम्बी में कयाडु लोहर, विजय राघवन और जॉनी एंटनी जैसे एक्टर्स भी हैं. फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी कैमियो भूमिका में हैं.1950 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित पल्लीचट्टम्बी की कहानी कृष्णा पिल्लई (टोविनो थॉमस) के इर्द-गिर्द घूमती है. बचपन में एक क्रूर हमले में अपना परिवार खोने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है. इसके बाद एक पुजारी और कुछ स्थानीय परिवार उनका पालन-पोषण करते हैं. हालांकि, किस्मत उसे एक और बड़ा झटका देती है. इसके बाद कृष्णा पिल्लई अन्याय के खिलाफ लड़ने का फैसला करता है और अपने हक के लिए संघर्ष की राह पर निकल पड़ता है.सालों बाद कृष्णा पोथन क्रिस्टोफर के

नाम से कानियार गांव पहुंचते हैं. अपने अच्छे स्वभाव, बहादुरी और लोगों की मदद करने की आदत की वजह से वो जल्द ही गांव वालों का भरोसा और सम्मान जीत लेते हैं. इसी दौरान उनकी मुलाकात रेबेका से होती है. दोनों धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आते हैं. रेबेका का सपना है कि वो गांव में एक ऐसा स्कूल खोले, जहां हर बच्चे को पढ़ने का मौका मिल सके. फिल्म पल्लीचट्टम्बी की कहानी एस. सुरेश बाबू ने लिखी है. इसके गानों और बैकग्राउंड स्कोर का जिम्मा जेक्स बेजॉय ने संभाला है. वहीं, टीजो टॉमी ने सिनेमैटोग्राफी की है.

काजू थाईलैंड में कंसीव हुआ था, इसीलिए वहां के बच्चों जैसा दिखता है: भारती सिंह

हाल ही में मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने अपने बेटे यशवीर (काजू) को लेकर एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मजाकिया अंदाज में बताया कि उनका बेटा काजू थाईलैंड में कंसीव हुआ था, इसीलिए वह थोड़ा बैंकॉक के बच्चे जैसा दिखता है। इतना सुनते ही आसपास मौजूद सभी लोगों की हंसी छूट गई। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि भारती सिंह और उनके पति, राइटर हर्ष लिम्बाचिया अब दो प्यारे बच्चों के माता-पिता हैं। वे पहले से ही अपने बड़े बेटे गोला उर्फ लक्ष्य के माता-पिता हैं, जिसका जन्म अप्रैल 2022 में हुआ था। पिछले साल दिसंबर में, यह प्यारा कपल दूसरी बार माता-पिता बना, जब उनके छोटे बेटे यशवीर का जन्म हुआ। भारती अक्सर अपने बच्चों और पति हर्ष के साथ वीडियो और व्लॉग साझा करती रहती हैं, जो उनके प्रशंसकों के बीच खूब पसंद किए जाते हैं। उनके वीडियो में परिवार की मस्ती, प्यार और भारती का अनोखा सेंस ऑफ ह्यूमर साफ झलकता है। कुछ दिन पहले, भारती और हर्ष ने अपने 7 महीने के बच्चे काजू की अन्नप्राशन सेरेमनी मनाई, जो भारतीय परंपरा में बच्चे को पहली बार ठोस आहार (सॉलिड फ़ूड) खिलाने का एक शुभ अवसर होता है। अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में, भारती और हर्ष बच्चे काजू को अपनी गोद में लिए हुए दिखे, जबकि परिवार के सदस्य और मेहमान उसे खीर खिलाकर आशीर्वाद दे रहे थे। यह पल परिवार के लिए बेहद खास था और फैंस ने भी काजू को पहली बार खाना खाते देख खूब प्यार लुटाया। इस साल 3 जुलाई को, भारती सिंह ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ गोवा की एक यादगार ट्रेन यात्रा के साथ अपने जन्मदिन का जश्न मनाया था। भारती सिंह ने इस पूरी ट्रेन जर्नी का एक विस्तृत वीडियो (व्लॉग) शेयर किया था, जिसमें रेलवे स्टेशन से लेकर ट्रेन में चढ़ने तक की पूरी यात्रा को दिखाया गया था। इस व्लॉग में उनके पति हर्ष लिम्बाचिया, उनके दोनों बच्चे, भारती की मां, उनकी बहनें और उनकी प्रोफेशनल टीम

के अन्य सदस्य शामिल थे। वीडियो में ग्रुप को रेलवे प्लेटफॉर्म पर धैर्य के साथ अपनी ट्रेन का इंतजार करते हुए दिखाया गया, जिसके बाद वे ट्रेन के डिब्बों में अपनी-अपनी जगह पर बैठे और साथ में बड़े आराम से इस ट्रिप को एन्जॉय किया। व्लॉग की खास बातों में से एक परिवार का घर का बना खाना था, जिसे भारती सिंह ने खुशी-खुशी बताया कि वे घर से ही साथ लाए थे। भारती ने एक महत्वपूर्ण बात का भी खुलासा किया कि उन्होंने जान-बूझकर बच्चों को रेलवे के रोमांच और मजे का अनुभव कराने के लिए फ्लाइट के बजाय ट्रेन को चुना था। यह कदम उनके बच्चों के प्रति उनके प्यार और उन्हें नए अनुभव देने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

अदा शर्मा गजरा से मराठी सिनेमा में रखेगी कदम

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म गजरा से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। यह कदम उनके करियर में एक नया आयाम जोड़ेगा और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और भी सशक्त करेगा। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने उन्हें एक खास और दूरदर्शी सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए। यह सलाह उनके अभिनय यात्रा का मार्गदर्शक बनी है। अभिनेत्री ने अपने पिता द्वारा दी गई उस अनमोल सलाह को याद करते हुए बताया, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा। इस सलाह ने अदा को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के किरदारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने का मौका मिला। अदा शर्मा ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन एस/ओ सत्यमूर्ति (2015) और क्षनम (2016) जैसी सफल फिल्मों से उन्होंने साउथ सिनेमा में एक सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम मजबूती से स्थापित किया। उनकी अभिनय क्षमता ने उन्हें क्षेत्रीय सिनेमा में भी एक लोकप्रिय चेहरा बना दिया। जब अभिनेत्री से पूछा कि अगर गजरा सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने स्पष्ट किया कि वे अपने आप को एक पैन-इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं। उनका मानना है कि कला की कोई भाषा या भौगोलिक सीमा नहीं होती। उन्होंने कहा, द केरला स्टोरी एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म कमांडो में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं। यह बयान उनकी अभिनय के प्रति समर्पण और भाषाओं की सीमाओं को तोड़ने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। उनकी आगामी मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया : संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल-4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से

धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल-4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं। इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा बन सकती हैं ये चीजें, मानसून के दौरान इनसे रहें दूर

आ मानसून का मौसम कई बीमारियों का कारण बन सकता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी ज्यादा खतरनाक है। इसका कारण है कि मानसून के दौरान होने वाली बीमारियां गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चे के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिनसे गर्भवती महिलाओं को मानसून के दौरान दूरी बनाकर रखनी चाहिए, ताकि वे सुरक्षित रहें। मानसून में तैराकी करने से बचना चाहिए, क्योंकि तालाबों या स्विमिंग पूल में मौजूद कीटाणु पेट के संक्रमण से लेकर डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों तक का कारण बन सकते हैं। ये बीमारियां गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत गंभीर हो सकती हैं। खासकर, अगर इनकी वजह से अस्पताल जाने की जरूरत पड़े तो यह गर्भवती महिला और उसके

बच्चे के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। इसलिए, तैराकी से दूरी बनाए रखना बेहतर है। मानसून के दौरान ठंडा पेय और आइसक्रीम का सेवन भी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। इसका कारण है कि मानसून में इन पेय और खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो पेट के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। ये खाद्य पदार्थ काफी ठंडे भी होते हैं और बारिश के कारण भी मौसम ठंडा हो जाता है। ऐसे में इनके सेवन से गर्भवती महिलाओं के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ सकता है। मानसून में सड़क पर नंगे पैर चलना भी गलती है, फिर चाहे आप किसी भी स्टेज पर गर्भवती क्यों न हों। इसका कारण है कि मानसून में सड़कें गीली रहती हैं और इस कारण इनमें मौजूद कीटाणु आपको बीमार कर सकते हैं। यही नहीं, गीली सड़कें फिसलन वाली भी होती हैं, जिससे गिरकर चोट लगने का खतरा भी रहता है। इसलिए, हमेशा जूते या चप्पल पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए। मानसून में खुली चीजें खाना भी सही नहीं है। इसका कारण है कि खुली चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं और इनका सेवन आपको बीमार कर सकता है। इसलिए, गर्भवती महिलाएं खुली चीजें खाने से बचें। अगर किसी कारण से खुली चीजें खानी भी पड़ जाए तो इनसे होने वाली बीमारियों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और डॉक्टर से संपर्क करें। सुरक्षित और ताजा भोजन का ही सेवन करें।

EC seeks TMC factions' reply on split bypolls may lead to symbol freeze

New Delhi, Agency: The Election Commission of India on Thursday wrote to the two Trinamool Congress factions, one led by Mamata Banerjee and the other by Ritabrata Banerjee, regarding their claims and counter-claims with respect to the organisational elections and authorised signatories of the party.

Sources in the EC told Media that the two groups have been asked to submit their responses by 5.30 pm on July 26. Based on the responses, the EC will take a call on whether there is indeed a split in the party, warranting proceedings under Para 15 of the Symbols Order, 1968 to

decide which of the two factions is the real party entitled to use the party name and election symbol.

Usually, if a bypoll becomes imminent while a symbol dispute is pending, the EC passes an interim order freezing the disputed symbol. While EC announced assembly bypolls in Gujarat, Madhya Pradesh and Gujarat on Thursday, it excluded the seats vacant in West Bengal Nandigram and Rejinagar for want of clarity on the status of election petitions (EP) filed with respect to the two seats. After the EP status is known, EC may announce the bypolls; if the Trinamool symbol dispute is being adjudicated at the time, the poll body may freeze the 'two-flower' symbol and ask each faction to choose a different symbol until the matter is disposed of. In a recent letter to the EC, Ritabrata Banerjee had claimed that his group is the "real Trinamool Congress", commanding the support of 65 of the 80 party MLAs. The faction argued that the organisational elections were never held by the party within the three-year period mandated by Article 20 of the party constitution.

The national working committee, having been elected last on February 12, 2022, thus became defunct after February 12, 2025, it said. The group further informed EC that it had recently held the organisational election and named the new office bearers. The details of the 'elected' national working committee members were recently shared with EC and a formal claim was made to the party name, twin-flower symbol and organisational assets.

Tiger body unveils science-driven roadmap for big cat conservation

New Delhi, Agency: The National Tiger Conservation Authority (NTCA) and the Wildlife Institute of India (WII) have unveiled two landmark documents aimed at shaping the future of tiger conservation in the country. The reports introduce a science-based national strategy for active tiger management while candidly examining the success and setbacks of tiger reintroduction across 12 reserves. The flagship report, "Roadmap for Active Management of Tigers in India", lays out a comprehensive framework for managing India's rapidly expanding tiger population through evidence-based interventions, landscape-level planning and adaptive conservation strategies.

India currently supports an estimated 3,682 wild tigers, accounting for nearly 70 per cent of the world's population. "This achievement has been made possible through sustained habitat protection, prey recovery, scientific monitoring, strong law enforcement and active community participation under Project Tiger," said Sanjay Kumar, Additional Director General (Project Tiger) and Member Secretary, NTCA. The roadmap underscores that conserving tigers can no longer be limited to protected areas alone.

To avoid legal battles ED settles 150 Fema cases with RBI nod

New Delhi, Agency: Faced with a pile of cases under the Foreign Exchange Management Act (Fema) and eager to avoid prolonged legal battles, the Enforcement Directorate is settling for large-scale compounding of offences and termination of adjudication proceedings after obtaining the Reserve Bank of India's approval.

In the last 15 months, more than 150 Fema cases have been terminated by the RBI on the basis of "no-objection certificates" (NOC) issued by the ED.

Many of these cases had been pending for years. One terminated last month involved Apollo Hospitals and its directors over alleged Fema violations of around Rs 850 crore. The hospital paid over Rs 17 crore and its directors Rs 18 lakh each, following which the RBI terminated the proceedings. Since Jan, the RBI has compounded 45 such cases based on ED NoCs. Flipkart subsidiary Myntra paid Rs 2.8 lakh to settle a long-pending case related to delay in filing an annual performance report on transactions exceeding Rs 45 crore. Kakinada Seaports Ltd paid Rs 21.7 lakh, while Genpact India Pvt Ltd paid Rs 4.7 lakh to close Fema proceedings.

Omar Abdullah backs call for India-Pak talks, says even RSS favours dialogue

Srinagar, Agency: Jammu and Kashmir CM Omar Abdullah Thursday backed the calls for reopening of dialogue between India and Pakistan, saying that was the only way to ease tensions between the two neighbours. He also questioned why appeals from J&K politicians for engaging with Pakistan led to a backlash when similar statements from RSS top functionaries invited no criticism . Omar's father and National Conference president Farooq Abdullah is among the 117 signatories - 61 from India and 56 from Pakistan - to an open letter that recently appealed to the Prime Ministers of the two countries to renew talks.

Talking to reporters in south Kashmir's Shopian district, Omar said: "This tension (between India and Pakistan) has existed for the past 30 to 40 years, and after last year's Pahalgam attack it increased even more. Now,

through a letter, a request has been made to the Prime Minister that the relations between the two countries should improve. No one should have any objection to this." He invoked Atal Bihari Vajpayee, saying the former PM used to say that friends can be changed, but neighbours cannot. "We want relations between neighbours to improve."

Pointing out that even "the biggest leader of RSS" had recently spoken in favour of talks with Pakistan, the chief minister said, "If the RSS says this, no one objects. But, when leaders from Jammu and Kashmir say the same thing, it creates an uproar." RSS chief Mohan Bhagwat and general secretary Dattatreya Hosabale had recently advocated "keeping the doors of dialogue open". Reacting to the letter, BJP accused J&K politicians of backing Pakistan's narrative and asked them to instead urge the country to dismantle its terror infrastructure and sponsorship.

No sir: All regular teachers at two Delhi govt schools on SIR duty

New Delhi, Agency: Should classrooms pay the price for election duty, ask educators. The entire regular teaching staff of two Delhi govt schools - one at Bhalswa and another near GTB Nagar - has been deployed for booth-level officer (BLO) duties during the peak period of the special intensive revision (SIR) of electoral rolls, citing manpower requirements for data handling, administrative work and BLO-related responsibilities, a school official said. According to the official, the Bhalswa school has around 1,200 students and approximately 20 regular teachers, all of whom have been assigned SIR work, leaving only 15 guest teachers to conduct classes across 22 sections. In the school near GTB

Nagar, the official said 22 teachers have been put on BLO duty and asked how the entire regular teaching staff can be picked up for non-academic work.

"It will be very difficult to teach students till Oct. Academic loss is inevitable," the school official said.

Media reached out to the principals of both schools but received no response.

Educators said the large-scale deployment could significantly disrupt classroom teaching, forcing students to bear the brunt of the staff's absence. They argued that election-related assignments should be distributed more evenly across schools so that no single institution loses a substantial portion of its teaching staff.

"If teachers have to be deployed, authorities should take a maximum of two teachers from a school. Many schools have not been asked to send even one teacher. The deployment should be distributed equally so that both election work and school education can continue," the official argued.

Media accessed an office order for manpower requirement pertaining to nine teachers of the Bhalswa school, signed by the sub-divisional magistrate/electoral registration officer (SDM/ERO) of Badli.

Three more held in Maharashtra TET paper leak case

Mumbai, Agency: The Maharashtra police, probing the alleged TET 2026 question paper leak case, have arrested three more persons, taking the total number of persons in custody to seven, officials said on Friday.

A state-appointed special investigation team (SIT) nabbed the trio, identified as Sonu Singh, Mithun Singh and Kapil Dahiya, officials said. They were produced before a local magistrate on Thursday, who remanded them to police custody, the officials said. With the latest arrests, seven individuals have been taken into custody so far, said police.

The Teacher Eligibility Test (TET) 2026 was postponed on June 27, a day before it was to be held, after police in Thane district found that a part of its question paper had been leaked and arrested three people. The SIT uncovered that the racket was spread across Delhi, Agra, Bihar, and Haryana. The investigation previously led to the arrest of Suman Kumari Gupta, the wife of the alleged mastermind, Vijendra Gupta, from Patna, after call records and financial trails linked her to him.

The SIT has sent teams to several states to track down Vijendra Gupta and his remaining associates, said officials.

The TET paper leak, which followed the national scandal caused by the leak of the NEET-UG paper, has affected nearly 6 lakh candidates.

Cong seeks judicial probe into Ujjain land 'scam'

New Delhi, Agency: The Congress on Thursday demanded a judicial probe into allegations surrounding land purchase in Ujjain by Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav's family members and associates. It also sought his resignation or recusal from office until investigations are completed.

Addressing a press conference at the AICC headquarters in New Delhi, AICC member and former MLA Praveen Pathak alleged that the controversy raised serious questions over whether privileged information relating to government projects and development plans had been used for private gain. "The question today is not merely about land purchase; rather, it is whether power and privileged information regarding government decisions and development projects were exploited for private gain," Pathak said.

The Congress leader questioned the Chief Minister's silence over the allegations, noting that more than 10 days had passed since the issue surfaced in the public domain.

"If the allegations are baseless, the government should take legal action against the media institution concerned; if they are true, the Chief Minister should resign on moral grounds," he said.

Referring to media reports, Pathak alleged that between 2021 and 2025, Yadav's family members and close relatives purchased 194 plots spread over around 253 acres in and around Ujjain at a reported value of nearly Rs 75 crore. He claimed several family-linked companies were also involved in real estate transactions in the region.

The Congress further alleged that a number of these purchases were made near road and infrastructure projects that progressed during Yadav's tenure as a minister and later as Chief Minister, including the Ujjain-Indore Road expansion and other highway projects in the region.

Zig-zag driving row: Biker gang drags cop out of car, assaults him, smashes vehicle; 14 arrested;

Nagpur, Agency: Eight bikers on a wild romp, hours before midnight allegedly assaulted a traffic cop in civvies, wrecked his private vehicle and threatened to kill him following a frivolous traffic dispute near a shrine on Mankapur Road on June 28. Fourteen persons have been arrested.

The cop, Kunal Singh, 35, attached to MIDC branch, was driving home when a group of motorcyclists with multiple pillion riders began zigzagging dangerously in front of his car, metres away from Martin Nagar culvert. Many of the bikes were fitted with double moped axles.

For generations, the first question in an arranged marriage was rarely about personality, ambitions or emotional compatibility

New Delhi, Agency: Caste, sub-caste, religion, family background and horoscope formed the first line of screening. Compatibility came much later, if at all. If a suitable match could not be found within the community, families often waited longer rather than expanding the search.

Today, that hierarchy is beginning to change. Across India's matchmaking ecosystem - from traditional independent matchmakers to curated matrimonial services and intentional dating platforms - one pattern is emerging: compatibility is steadily replacing community as the most valuable currency.

This does not mean caste has vanished from the marriage conversation. Far from it. Families still prefer matches within their communities where possible. But increasingly, community is becoming one consideration among many rather than an immovable condition. Shared values, emotional maturity, lifestyle, career ambitions, financial outlook and long-term goals are taking precedence, particularly among educated urban Indians who often make the final decision themselves.

The evolution reflects wider social shifts. Indians are marrying later, pursuing demanding careers, living independently across cities and countries, and looking for partners who fit the life they have built rather than merely satisfying social expectations.